epaper.dehatsandesh.com

3 शिक्षकों ने आईआईटी जम्मू में उन्नत भारत अभियान कार्यशाला में लिया भाग

5 आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप: अनुष्का ठाकुर ने जीता दूसरा स्वर्ण

8 गुलाब की खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 26 — अधिकतम 30

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष 22, जम्मू तवी, अंक 240 | जम्मू तवी, मंगलवार 30 सितम्बर 2025 | मूल्य- 2 रूपये (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भाजपा कार्यालय की पहचान सुविधाओं से नहीं, जनसेवा और जनसुनवाई से होनी चाहिए : मोदी

नई दिल्ली, 29 सितंबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नए प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली भाजपा के इस कार्यालय की पहचान इसकी भव्यता या सुविधाओं से नहीं बल्कि जनसुनवाई और जनसेवा से होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह कार्यालय केवल एक इमारत नहीं बल्कि सेवा और संवेदना का केंद्र है। उन्होंने कहा, ‘हमारे कार्यकर्ता यहां तभी आएं जब वे किसी जरूरतमंद की उम्मीदें लेकर आएं। इस कार्यालय से लिए गए फैसले जितने संवेदनशील और सेवा भाव से प्रेरित होंगे, उतना ही दिल्ली के ागरिकों का हित सुनिश्चित होगा। नवरात्रि के अवसर पर उद्घाटन को विशेष बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अवसर

भाजपा के लिए नए सपनों और नए संकल्पों से भरा है। उन्होंने दिल्ली भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि पार्टी ने 45 वर्षों की यात्रा में अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं और आज यह एक विशाल संगठन के रूप में देश के कोने-कोने तक पहुंच चुकी है। उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा की जड़ें 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में स्थापित जनसंघ से जुड़ी हैं। दिल्ली जनसंघ को अपना पहला अध्यक्ष वैद्य गुरुदत्त के रूप में मिला था। समय-समय पर एलके आडवाणी, डॉ. भाई महावीर और हरदयाल देवगुण जैसे नेताओं ने संगठन को मजबूत किया। वर्ष 1980 में भाजपा के गठन के बाद दिल्ली की कमान वीके मल्होत्रा के हाथों में रही। प्रधानमंत्री ने दिल्ली भाजपा के अतीत को याद करते हुए कहा कि मदनलाल खुराना, साहब सिंह वर्मा, केदारनाथ साहनी जैसे दिग्गज नेताओं ने पार्टी को दिल्ली में मजबूती दी। वहीं, अरुण जेटली और सुषमा स्वराज जैसे नेताओं ने अपना जीवन भाजपा और जनता की सेवा को समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दिल्ली और भाजपा का संबंध केवल एक राजनीतिक संगठन और एक शहर का रिश्ता नहीं है बल्कि यह संबंध सेवा, संस्कार और संघर्ष से जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि बंटवारे के बाद जब लाखों शरणार्थी दिल्ली आए, तब जनसंघ के कार्यकर्ताओं ने उनके पुनर्वास का कार्य संभाला। आपातकाल के दौर में संगठन के पदाधिकारियों ने सत्ता के दमन के खिलाफ संघर्ष किया और 1984 के सिख विरोधी दंगों के समय कार्यकर्ताओं ने हर संभव मदद कर पीड़ित परिवारों का साथ दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली भाजपा का यह त्याग और संघर्ष ही उसे जनता से जोड़े रखता है।

उन्होंने कहा कि अतीत में जब भी राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन हुए, उनका केंद्र दिल्ली रहा। उस दौर में जब पार्टी के पास सीमित संसाधन थे, तब भी दिल्ली के कार्यकर्ताओं ने पूरे देश से आए कार्यकर्ताओं को अपने घरों में ठहराकर संगठन को मजबूत करने में अहम योगदान दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने नए प्रदेश कार्यालय को केवल एक इमारत न बताते हुए उसे देवालय की संज्ञा दी। उन्होंने कहा, हमारे लिए कोई भी भाजपा कार्यालय किसी मंदिर से कम नहीं है। यह कार्यालय हमारी पार्टी को जमीन और जन-अपेक्षाओं से जोड़ने वाली मजबूत कड़ी है।

उपराज्यपाल ने ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित स्वच्छता विजयोत्सव में भाग लिया

जम्मू 29 सितम्बर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सेवा पर्व के अंतर्गत ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा जम्मू में आयोजित स्वच्छता विजयोत्सव में भाग लिया और संबोधित किया।

इस अवसर पर, उपराज्यपाल ने ग्रामीण और शहरी जम्मू-कश्मीर के बीच की खाई को पाटने तथा समृद्धि सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि पिछले 5-6 वर्षों के प्रदर्शन में ही केंद्र सरकार की जम्मू-कश्मीर के प्रति सच्ची प्रतिबद्धता देखी जा सकती है। उपराज्यपाल ने गाँवों को अधिक सुखी और स्वस्थ बनाने के लिए जनस्वास्थ्य एवं कल्याण को प्रोत्साहित करने और समुदाय की भागीदारी बढ़ाने हेतु स्वच्छता अभियानों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा, ‘शिक्षा, सामाजिक कल्याण, ग्रामीण विकास, शहरी विकास और स्वास्थ्य के अंतर्गत पहलें एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज के निर्माण के लिए अनिवार्य हैं। हमें चुनौतियों को पार कर जम्मू-कश्मीर के समृद्ध ग्रामीण विकास के लक्ष्यों को हासिल करना होगा। उपराज्यपाल ने ग्रामीण जम्मू-कश्मीर में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, सेवा पर्व को अलग-थलग नहीं देखा जाना चाहिए। इसे जीवन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। हमें एकी.त राष्ट्रीय पहचान के निर्माण की दिशा में काम करना होगा, ताकि सभी का कल्याण और

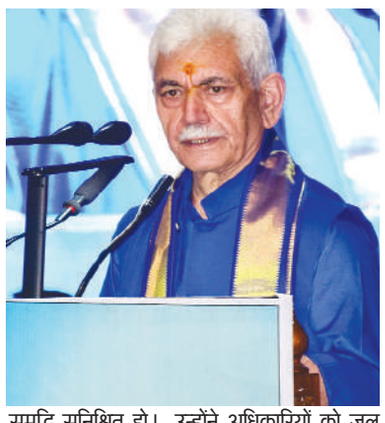

समृद्धि सुनिश्चित हो। उन्होंने अधिकारियों को जल निकायों के किनारों पर अतिक्रमण के खिलाफसख्त कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया। एलजी ने कहा कि नागरिकों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में प्रा.तिक संसाधनों पर हो रहे अतिक्रमण की सूचना प्रशासन को देनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि आओ मिलकर एक सशक्त और सुरक्षित भविष्य का निर्माण करें इस अवसर पर, उपराज्यपाल ने एसबीएम-जी अंतर्गत विभिन्न स्थानों के लिए गोबरधन बायोगैस संयंत्र और फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट की आधारशिला भी रखी।

एलजी सिन्हा ने ग्रामीण एवं शहरी जम्मू-कश्मीर के बीच की खाई पाटने का संकल्प लिया

माता वैष्णो देवी ट्रैक भूस्खलन की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन

जम्मू, 29 सितंबर । उपराज्यपाल सिन्हा ने 29 अगस्त 2025 को सरकार के आदेश के माध्यम से अधकावरी के पास श्री माता वैष्णो देवी ट्रैक पर 26 अगस्त को हुई दुखद भूस्खलन घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया।

राजभवन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, समिति के अध्यक्ष शलीन काबरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल शक्ति विभाग, को नियुक्त किया गया और उन्हें दो सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था, जिसमें घटनाओं में हुई चूक और जिम्मेदारियों को स्पष्ट किया जाना था।

2034-35 तक 4,200-10,000 मेगावाट ऊर्जा की कमी की संभावना

जम्मू तवी, 29 सितंबर। जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में अगले दस वर्षों में 4,200 मेगावाट से लेकर 10,000 मेगावाट तक की ऊर्जा की कमी होने की संभावना है।

आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, मौजूदा और नियोजित क्षमता वृद्धि के साथ, 2024-25 से 2034-35 तक विभिन्न वर्षों में जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में 4293 मिलियन यूनिट से लेकर 9929 मिलियन यूनिट तक की ऊर्जा की कमी होने की संभावना है।

आधिकारिक दस्तावेजों से यह भी पता चलता है कि मौजूदा क्षमता और नियोजित क्षमता को ध्यान में रखते हुए एक अध्ययन किया गया था। इसमें लिखा है, यह पाया गया कि वर्ष 2034-35 में कुल अप्रयुक्त ऊर्जा लगभग 8730 मिलियन यूनिट है।

अध्ययन में वर्ष 2034-35 में अप्रयुक्त ऊर्जा के दैनिक और मासिक पैटर्न का भी विश्लेषण किया गया है। यह देखा जा सकता है कि अनुबंधित क्षमता (वर्तमान और नियोजित) माँग को पूरा करने में असमर्थ है।

अध्ययन में आगे कहा गया है, यह देखा जा सकता है कि सर्दियों के महीनों की उच्च माँग के दौरान, अप्रयुक्त ऊर्जा का अनुपात अधिक होता है।

इस वर्ष अप्रैल में, श्रीनगर स्थित नई एजेंसी ने बताया था कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में 2034-35 तक मिश्रित बिजली उत्पादन में गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित क्षमता का लगभग 62 प्रतिशत हिस्सा होने की संभावना है।

समाचार एजेंसी ने बताया था कि उत्पादन मिश्रण में गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित क्षमता का हिस्सा 2034-35 तक लगभग 62न होने का अनुमान है, जिसमें नवीकरणीय खरीद दायित्व (आरपीओ) प्रक्षेपवक्र के अनुरूप गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित क्षमताओं का योगदान अधिक होगा।

5 और 6 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के ऊँचे इलाकों में बर्फबारी का अनुमान

श्रीनगर, 29 सितंबर। यहाँ के मौसम वैज्ञानिकों ने 5 और 6 अक्टूबर को उत्तर, मध्य और दक्षिण कश्मीर के ऊँचे इलाकों के साथ-साथ चिनाब घाटी में भी मौसम की पहली बर्फबारी का अनुमान लगाया है।

मौसम विभाग के निदेशक डॉ. मुख्तार अहमद द्वारा जारी विस्तृत पूर्वानुमान के अनुसार, कल मौसम सामान्यतः शुष्क रहने की उम्मीद है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि 1 अक्टूबर से 4 अक्टूबर की शाम तक मौसम सामान्यतः शुष्क रहेगा, देर शाम या रात में हल्की बारिश, गरज और तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है।

डॉ. अहमद ने आगे कहा कि 5 से 7 अक्टूबर तक आमतौर पर बादल छाए रहेंगे, रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश, गरज और तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है, और जम्मू-कश्मीर के कई स्थानों पर ऊँचे इलाकों में हल्की बर्फबारी भी होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि 8 से 10 अक्टूबर तक पूरे क्षेत्र में मौसम सामान्यतः शुष्क रहने की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने अपने परामर्श में किसानों को 4 अक्टूबर की दोपहर तक धान और अन्य बागवानी फसलों की कटाई, सुरक्षित भंडारण और अन्य कृषि कार्यों सहित, जारी रखने की सलाह दी है।

मौसम विभाग के निदेशक ने आगे कहा कि कल से दिन के तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आने की उम्मीद है, जिसमें 5 और 6 अक्टूबर के दौरान उल्लेखनीय कमी आएगी।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल में 36 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

गंदरबल 29 सितम्ब। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल ज़िले के विस्तृत दौरे के दौरान 36.50 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की दर्जनभर से अधिक विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने खेल, बिजली अवसंरचना और सड़क संपर्क को मज़बूत बनाने के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। बीहमाह में मुख्यमंत्री ने छह प्रमुख खेल अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें बीहमाह स्टेडियम, मदर-ए-मेहरबान स्टेडियम और गांदरबल ज़िले के गुण्ड रहमान, मानिगाम, वाकुरा और बटविना के खेल मैदानों का उन्नयन शामिल है। यह परियोजनाएँ स्थानीय खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और स्वस्थ खेल परिवेश स्थापित करने में महत्वपूर्ण निवेश का प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं के लिए नए खेल उपकरण भी जारी किए और जूडो, थांग-टा और योग में प्रभावशाली प्रस्तुतियों का अवलोकन किया, जो गांदरबल की जीवंत खेल भावना को

दर्शाता है। सलूरा में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 33/11 केवी, 1 गुना 6 एमवीए प्राप्ति स्टेशन का सार्वजनिक उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, गडूरा में प्रि-फैब इंडोर बैडमिंटन हॉल का उद्घाटन किया और एक मैत्रीपूर्ण बैडमिंटन मैच में भी भाग लिया। उसी परिसर में उन्होंने 400 मीटर सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ का उद्घाटन किया। उन्होंने स्वयं कन्याओं की 100 मीटर दौड़ को हरी झंडी दिखाई और स्वयं भी 100 मीटर दौड़ में भाग लिया, जिससे उपस्थित जनसमूह उत्साहित हुआ। मुख्यमंत्री ने चार महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी, जिनमें शाजिंगा लिंक रोड और खातिजीनाग सड़क का उन्नयन, दर मोहल्ला वटलबाग डेंजरपोरा सड़क का निर्माण व उन्नयन, पाटी वस्कुरा खरबाग सड़क का निर्माण और तहसील बाग लार बाईपास यन्हामा डेंजरपोरा सड़क का निर्माण शामिल है। दौरे के दौरान उनके साथ उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी, युवा सेवाएँ एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा,

> “ज़िला गांदरबल को विकास की स्थिर राह पर डाला जाएगा- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, प्रमुख सचिव पीडीडी राजेश एच प्रसाद, उपायुक्त गांदरबल जतिन किशोर, महानिदेशक युवा सेवा एवं खेल अनुराधा गुप्ता, केपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक, पीडीडी व लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता, जेके स्पोर्ट्स काउंसिल के सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन में बड़े जनसमूह को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने दिनभर की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास को गांदरबल में विकास के नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएँ लोगों पर कोई उपकार नहीं, बल्कि उनके विश्वास और सहयोग के लिए आभार का प्रतीक हैं।

जेकेआरटीसी पर कश्मीर भर में 60 लाख रुपये से ज़्यादा का बिजली बकाया

श्रीनगर, 29 सितंबर.। एक आरटीआई के जवाब से पता चला है कि जम्मू और कश्मीर सड़क परिवहन निगम (जेकेआरटीसी) कश्मीर प्रांत में अपने प्रतिष्ठानों में लाखों रुपये की बिजली शुल्क देनदारियों के बोझ तले दबा हुआ है। कुल बकाया 60 लाख रुपये से ज्यादा है। आरटीआई कार्यकर्ता और पर्यावरणविद् एम. एम. शुजा को सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत दी गई जानकारी में विभिन्न जेकेएसआरटीसी इकाइयों के लंबित बिजली बकाये का विवरण दिया गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 31 मार्च, 2025 तक टीआरसी श्रीनगर स्थित पर्यटक सेवा प्रभाग पर सबसे ज्यादा 53.70 लाख रुपये की देनदारी है। अन्य प्रमुख चूककर्ताओं में लाल चौक स्थित जेकेआरटीसी ई-बस चार्जिंग स्टेशन शामिल है जिस पर 6.12 लाख रुपये बकाया है और बेमिना स्थित पीएमडी वर्कशॉप जिस पर 4.32 लाख रुपये बकाया हैं। बेमिना स्थित ई-बस स्टेशन पर 2.24 लाख रुपये बकाया हैं जबकि पंपोर स्थित सीडब्ल्यूएस पर 67,246 रुपये बकाया हैं। बताया गया है कि अनंतनाग डिपो पर जून 2023 तक 30,898 रुपये का बकाया है। इसके विपरीत एमए रोड स्थित जेकेएसआरटीसी मुख्यालय परिमपोरा स्थित लोड वर्कशॉप, एमए लिंक रोड स्थित प्रिंटिंग प्रेस, बारामूला डिपो, अनंतनाग स्थित सब-वर्कशॉप और बटामलो स्थित मैनेजर पैसेंजर सर्विसेज यूनिट सहित कई इकाइयों पर कोई बकाया नहीं है और उनके खाते विभिन्न तिथियों तक चुकाए जा चुके हैं। इस खुलासे ने एक बार फिर केंद्र शासित प्रदेश द्वारा संचालित परिवहन निकाय के वित्तीय दबाव को उजागर कर दिया है। जेकेआरटीसी जो पहले से ही बढ़ती परिचालन लागत और घटते राजस्व से जूझ रहा है पर बार-बार खराब वित्तीय प्रबंधन का आरोप लगाया गया है। स्थानीय लोगों ने चिंता व्यक्त की है कि इस तरह की लंबित देनदारियाँ परिवहन सेवाओं के संचालन को प्रभावित कर सकती हैं खासकर ऐसे समय में जब घाटी में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और ई-बस संचालन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सुरक्षा परिदृश्य का आकलन करने के लिए सुरक्षा समीक्षा बैठक की

श्रीनगर, 29 सितंबर । कश्मीर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वी.के. बिरदी ने आज पुलिस नियंत्रण कक्ष, कश्मीर के सम्मेलन कक्ष में घाटी में मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य का आकलन करने के लिए एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में कश्मीर क्षेत्र के सभी रेंज डीआइजी, जिला एसएसपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक की शुरुआत में रेंज डीआइजी और एसएसपी ने अध्यक्ष को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में समग्र अपराध और सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी। कानून-व्यवस्था प्रबंधन, चल रहे आतंकवाद-रोधी अभियानों और जन सुरक्षा उपायों पर विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की गई। विचार-विमर्श में एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई शून्य आतंकवादी भर्ती, जिला-स्तरीय सुरक्षा ग्रिड को मजबूत करना, आतंकवादी तत्वों के खिलाफ संपत्ति कुर्की की कार्यवाही और अन्य रणनीतिक चिंताओं सहित महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक के दौरान आईजीपी कश्मीर ने गलत सूचना, दुष्प्रचार और राष्ट्र-विरोधी सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की निगरानी बढ़ाने पर ज़ोर दिया। नशीले पदार्थों के मुद्दे पर बात करते हुए आईजीपी कश्मीर ने अधिकारियों को नशा-विरोधी अभियान तेज़ करने, अपराधियों पर निगरानी बढ़ाने और नशीले पदार्थों के नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम करने का निर्देश दिया।

लेह शहर में छठे दिन भी कर्फ्यू, उपराज्यपाल ने सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक बुलाई

लेह, 29 सितंबर । हिंसा प्रभावित लेह शहर में सोमवार को छठे दिन भी कर्फ्यू जारी रहा। कर्फ्यूग्रस्त इलाकों में स्थिति कुल मिलाकर शांतिपूर्ण रही और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की भारी तैनाती की गई है और वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी निगरानी रख रहे हैं। उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए आज एक बैठक बुलाई है। एक अधिकारी ने कहा कि 24 सितंबर को शहर में व्यापक हिंसा के दौरान मारे गए दो युवाओं स्टैनज़िन नामग्याल (24) और जिग्मेट दोरजय (25) का रविवार को अंतिम संस्कार किया गया। लेह शहर में मोबाइल

इंटरनेट सेवाएं अभी भी निलंबित हैं, जबकि कारगिल सहित केंद्र शासित प्रदेश के अन्य प्रमुख हिस्सों में पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाने वाली निषेधाज्ञा भी लागू है। बंद के दौरान व्यापक हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद बुधवार शाम को लेह शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया था। झड़पों में लगभग 80 पुलिसकर्मियों सहित 150 से अधिक लोग घायल हुए। प्रदर्शन के बाद दो पार्षदों समेत 60 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया। इनमें जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शामिल हैं, जिन्हें शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार करने के बाद राजस्थान की जोधपुर जेल में शिफ्ट कर दिया गया।

उत्तर रेलवे 2 अक्टूबर से जम्मू संभाग में और ट्रेनें चलाएगा

श्रीनगर, 29 सितंबर। उत्तर रेलवे ने सोमवार को घोषणा की कि जम्मू संभाग में बारिश और जलभराव के कारण बाधित हुई कई ट्रेनें 2 अक्टूबर से चौथे चरण में फिर से शुरू होंगी।

अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय सुरक्षा निरीक्षण और पटरियों व पुलों की क्रमिक बहाली के बाद लिया गया है। बहाल की जाने वाली ट्रेनों में 2 अक्टूबर से जम्मू तवी-कानपुर (12470), 3 अक्टूबर से जम्मू तवी-बरौनी (14692) और जम्मू तवी-गुवाहाटी (15654), 4 अक्टूबर से जम्मू तवी-गोरखपुर (12588), 5 अक्टूबर से जम्मू तवी-योग नगरी ऋषिकेश (14606), 7 अक्टूबर से जम्मू तवी-भागलपुर (15098), और 8 अक्टूबर से जम्मू-सियालदह (22318) और जम्मू तवी-गुवाहाटी (15652) शामिल हैं।

उपायुक्त रामबन ने मिशन युवा के अंतर्गत 50 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र सौंपे

रामबन 29 सितम्बर। ज़िला प्रशासन रामबन ने जम्मू-कश्मीर बैंक के सहयोग से मिशन युवा के अंतर्गत 50 पात्र लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए।

इन पत्रों को उपायुक्त मोहम्मद एलियास खान ने जम्मू-कश्मीर बैंक के महाप्रबंधक निशिकांत शर्मा की उपस्थिति में एक संक्षिप्त कार्यक्रम में औपचारिक रूप से सौंपा।

इस अवसर पर सीपीओ डॉ. शकीब अहमद राथर, एसीडी मोहम्मद अशफ़ाक, डीजीएम एवं ज़ोनल हेड डोडा विनय गुप्ता, एजीएम संजय कुमार बेलो, क्लस्टर हेड, सहायक निदेशक रोजगार, जिला नोडल अधिकारी, परामर्श अधिकारी समेत जम्मू-कश्मीर बैंक के अन्य अधिकारी और हितधारक उपस्थित थे। उपायुक्त ने मिशन युवा को प्रभावी ढंग से लागू करने और ज़िले में इसके प्रमुख लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रायोजक विभागों और जम्मू-कश्मीर बैंक की सराहना की। उन्होंने मिशन युवा को बेरोज़गारी की समस्या का समाधान करने के लिए युवाओं को वित्त, कौशल और जीविकोपार्जन के अवसर प्रदान करने वाली एक क्रांतिकारी पहल बताया। उन्होंने लाभार्थियों से आग्रह किया कि वे ऋण का विवेकपूर्ण उपयोग करें और ईमानदारी व अनुशासन के साथ स्थायी उद्यम स्थापित करें।

जम्मू-कश्मीर बैंक के प्रतिनिधियों ने योजना के अंतर्गत युवाओं को सहयोग देने तथा ऋण वितरण को सुचारु और समयबद्ध बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कार्यक्रम की निरंतर सफलता सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय अनुशासन और समय पर पुनर्भुगतान के महत्व पर भी बल दिया।

सकीना इत्तू ने मेंढर, रफियाबाद विधानसभा क्षेत्रों के विकास परिदृश्य की समीक्षा की

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, सामाजिक कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने मेंढर और रफ़ियाबाद विधानसभा क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और कल्याणकारी पहलों की समीक्षा हेतु एक व्यापक बैठक आयोजित की।

बैठक में कैबिनेट मंत्री जावेद अहमद राणा और जाविद अहमद डार के अलावा, उच्च शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव शांतमनु, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिव डॉ. सैयद अबिद राशिद शाह, निदेशक स्कूल शिक्षा जम्मू, निदेशक स्वास्थ्य सेवा कश्मीर/जम्मू तथा संबंधित विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

समीक्षा बैठक के दौरान सकीना इत्तू ने दोनों विधानसभा क्षेत्रों में विशेषकर स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सामाजिक कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन पर चल रही परियोजनाओं को तेज गति से आगे बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनसेवाओं के वितरण में विलंब पैदा करने वाले सभी अवरोधों को दूर किया जाए।

सीमा एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रति सरकार की जिम्मेदारी को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि मेंढर और रफ़ियाबाद को भी विकास में समान अवसर मिलने चाहिए। उन्होंने कहा, ‘हमारी प्राथमिकता है कि स्वास्थ्य सेवाएँ, शिक्षा और बुनियादी सुविधाएँ हर घर तक पहुँचे, ताकि दूरस्थ और सीमा क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को भी समान रूप से सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच मिले।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार संपर्क, समावेशन और सहभागिता के वादे के प्रति वचनबद्ध है और आज की समीक्षा से तत्काल सुधारात्मक कदम तथा भविष्य की योजनाओं का मार्गदर्शन मिलेगा।

बैठक में शिक्षा क्षेत्र से जुड़े मुद्दे उठाते हुए मंत्री जावेद राणा ने सीमा क्षेत्रों के विद्यालयों में स्टाफकी कमी को उजागर किया और इन रिक्तियों को यथाशीघ्र भरने की अपील की। उन्होंने पठानतिर के मॉडल स्कूल, बालाकोट और मेंढर में गर्ल्स हॉस्टल तथा अन्य लम्बे समय से अधूरी पड़ी इमारतों को शीघ्र पूर्ण करने की भी माँग की। उन्होंने ज़ोर देते हुए कहा कि मेंढर के कई विद्यालयों में विज्ञान विषय उपलब्ध नहीं है और इसमें तत्काल सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने उल्लेख किया कि आधुनिक शिक्षा तक पहुँच युवाओं को सशक्त बनाने और अन्य क्षेत्रों के विद्यार्थियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने हेतु अत्यंत आवश्यक है। स्वास्थ्य क्षेत्र के संबंध में राणा ने स्वास्थ्य विभाग में मौजूदा रिक्तियों को भरने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने और स्वास्थ्य केंद्रों व अस्पतालों में पर्याप्त स्टाफसुनिश्चित करने की अपील की, ताकि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएँ आम नागरिकों तक पहुँच सकें।

नैनीताल जा रहे हैं तो ये 5 जगह देखना न भूलें

बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। नैनी शब्द का अर्थ है आंखें और 'ताल' का अर्थ है झील। यहां आकर आपको शांत और प्रकृति के पास होने जैसा महसूस होगा। यहां चारों ओर खूबसूरती बिखरी है। सैर-सपाटे के लिए दर्जनों जगहें हैं, जहां जाकर पर्यटक हैरान रह जाते हैं और प्राकृतिक नजारों को बस देखते ही रहते हैं। आओ जानते हैं यहां के प्रमुख स्पॉट।

नैनीताल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से जून

1. नैनिताल नैना झील:
यहां कि प्रसिद्ध झील नैना झील है जिसे ताल भी कहा जाता है। ताल में बत्तखों के झुंड, रंग-बिरंगी नावें और ऊपर से बहती ठंडी हवा यहां एक अदभुत नजारा पेश करते हैं। ताल का पानी गर्मियों में हरा, बरसात में मटमैला और सर्दियों में हल्का नीला दिखाई देता है। एक समय में नैनीताल जिले में 60 से ज्यादा झीलें हुआ करती थीं।
2. नैना देवी मंदिर :
इसे नैनीताल इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर ऊंचे पहाड़ पर नैना देवी का एक मंदिर है।
3. हिल स्टेशन :
बर्फ से ढ़के पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। यहां टॉप पर नैना चोटी, स्नो व्यू और टिफिन टॉप है। स्नो व्यूप पर आप रोपवे से जा सकते हैं।
4. प्राणी उद्यान नैनिताल :
पंडित जीबी पंत प्राणी उद्यान यहां के प्रसिद्द स्थल है। गोविंद बल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान नैनीताल बस स्टेशन से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
5. हनुमानगढ़ी नैनिताल :
यह यहां का धार्मिक स्थल है जो मुख्य शहर से करीब 4 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर है।
इसके अलावा गर्वनर हाउस है और शॉपिंग के लिए आप मार्केट मॉलरोड जा सकते हैं।

अल्मोड़ा एक बहुत ही सुंदर नगर

अल्मोड़ा भारत के उत्तराखंड राज्य का एक बहुत ही सुंदर नगर है। इसके पूर्व में पिथौरागढ़ व चम्पावत, पश्चिम में पौड़ी, उत्तर में बागेश्वर, दक्षिण में नैनीताल स्थित है। अल्मोड़ा में मनोरम पहाड़ी और घाटियां हैं जो आपका दिल मोह लेगी। यदि आप यहां जाने का प्लान कर रहे हैं तो जान लें इस क्षेत्र के बारे में दिलचस्प जानकारी।

अल्मोड़ा हिल स्टेशन

1. अल्मोड़ा में कई मंदिर है। दूनागिरी मंदिर, कसार देवी मंदिर, चितई गोलू मंदिर, नंदादेवी मंदिर, कटारमल सूर्य मंदिर, जागेश्वर धाम मंदिर आदि कई बहुत ही सुंदर और चैतन्य मंदिर है। यहां अंग्रेजों के काल का बोडेन मेमोरियल मेथोडिस्ट चर्च भी है।
2. अल्मोड़ा में घूमने लायक जगह जीरो पाइंट बहुत ही अद्भुत है जो बिनसर अभ्यारण्य में बहुत ऊंचाई पर स्थित है। यहां से आसमान को देखना बहुत ही रोमांचित कर देगा साथ ही यहां से केदारनाथ और नंदादेवी की चोटी को देखना तो आपके आश्चर्य और रोमांच को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। यहां से हिमालय की वादियों का दृश्य आपको स्वर्ग में होने का अहसास देगा।
3. अल्मोड़ा से 30 किलोमीटर दूर जलना एक छोटासा पहाड़ी गांव है जहां से आप प्रकृति और एकांत का आदंद ले सकते हैं। यहां पर 480 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां, वनस्पतियों की एक विस्तृत श्रृंखला और तितली संग्रह से भरे जंगल पाए जाते हैं।
4. अल्मोड़ा से 3 किमी दूर स्थित, ब्राइट एंड कॉर्नर पाइंट से आप सूर्यास्त और सूर्योदय के लुभावने दृश्य देखकर रोमांचित हो उठेंगे। यह एक विशेष बिंदु है जहां से हिमालय के अविश्वसनीय दृश्य देख सकते हैं। हिमालयी चोटियों में जैसे त्रिशूल I, त्रिशूल II, त्रिशूल III, नंदादेवी, नंदकोट, पंचाचूली इत्यादि को देख सकते हैं।
5. अल्मोड़ा कुमाऊं पर्वत श्रृंखला में स्थित है और यह माउंटेन बाइकिंग के लिए भारत में सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक है। और यदि यदि आप रिवर राफ्टिंग का आनंद लेना चाहते हैं तो काली शारदा नदी जाना होगा।

अल्मोड़ा जाना चाहते हैं तो पहले इसे पढ़ें

6. अल्मोड़ा का बिनसर अभ्यारण्य भी बहुत ही रोमांच से भरा है। अल्मोड़ा हिल स्टेशन से लगभग 33 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बिनसर पर्यटन स्थल एक छोटा सा गांव हैं। जोकि देवदार के पेड़ों के हरे-भरे जंगल, घास के मैदान और खूबसूरत मंदिरों के लिए जाना जाता हैं।
7. अल्मोड़ा का डियर पार्क अल्मोड़ा से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। डियर पार्क प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए शानदार डेस्टिनेशन है। डियर पार्क का सबसे प्रमुख आकर्षण देवदार के हरे-भरे वृक्ष है और उनके बीच घुमते हुए हिरण, तेंदुआ और काले भालू जैसे जानवर इसकी खूबसूरती को देखने लायक बना देते हैं।
8. अल्मोड़ा भारत में कुछ बेहतरीन हस्तशिल्प और सजावटी वस्तुओं के संग्रह के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर द्वाराहाट, रानीखेत, चौखुटिया और शीतलाखेत भी घूमने लायक बहुत ही सुंदर स्थान हैं।
9. अल्मोड़ा से करीब 53 किलोमीटर उत्तर दिशा में स्थित है कौसानी नामक हिल स्टेशन जो प्राकृतिक छटा से भरपूर है। यहां देवदार के सघन वन हैं जिनके एक ओर सोमेश्वर घाटी और दूसरी ओर गरुड़ व बैजनाथ घाटी स्थित है।
10. अल्मोड़ा तो किसी भी मौसम में जा सकते हैं लेकिन सबसे अच्छा समय मार्च से अप्रैल का महीना होता है क्योंकि यहां पर शांत वातावरण मिलता है। पंतनगर निकटतम हवाई अड्डा है जहां से अल्मोड़ा 120 किलोमीटर दूर है, काठगोदाम रेलवे स्टेशन यहां से 80 किलोमीटर दूर है। हरिद्वार, नैनीताल, देहरादून और लखनऊ के सड़कमार्ग से अल्मोड़ा जुड़ा हुआ है।

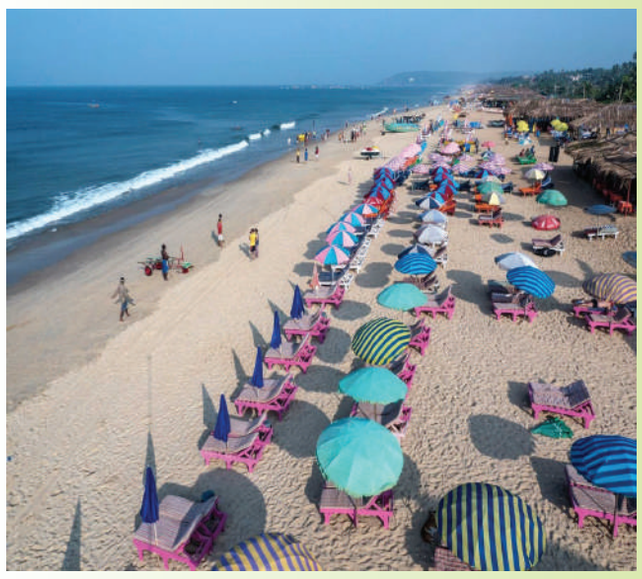

देश की 10 रोमांटिक जगह जरूर जाना चाहिए

रोमांटिक जगह पर घूमने जाना चाहते हैं तो भारत में ऐसी सैंकड़ों रोमांटिक जगहें हैं जहां पर आप जाकर अपने पार्टनर के साथ संबंधों की नई ऊंचाइयों को छू सकते हो। इसके लिए हम लाएं हैं भारत के टॉप 10 रोमांटिकऔर ब्यूटीफुल जगहों की जानकारी।

भारत की टॉप 10 रोमांटिक जगहें

1. गोवा :
समुद्र के किनारे बसा गोवा बहुत ही रोमांटिक जगह है। हनीमून मनाने वालों को भी खूब आकर्षित करता है। रोमांटिक स्थलों में यह सबसे टॉप पर माना जाता है।
2. चंबा :
उत्तराखंड के मसूरी से मात्र 13 घंटे की दूरी पर बसा है चंबा। चंबा की सीढ़ीनुमा सड़कें और ऊंचे-ऊंचे वृक्षों से लदी घुमावदार घाटियां, झुरमुटों में छुपे छोटे-छोटे घर आपके मन को मोह लेंगे।
3. दार्जिलिंग :
'क्वीन ऑफ हिल्स' के नाम से मशहूर दार्जिलिंग हमेशा से एक बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन रहा है। यह बहुत ही रोमांटिक स्थल है। दूर-दूर तक फैले हरी चाय के खेत मानो धरती पर हरी चादर बिछी हो। सिर्फ चाय बागान नहीं हैं बल्कि यहां की वादियां भी बेहद मनोहारी हैं। बर्फ से ढंके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कलकल करते झरने सबका मन मोह लेते हैं।
4. शिमला :
शिमला जाएं या मनाली दोनों ही हिमाचल में स्थित है। दोनों ही हनीमून के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थल है। यहां घाटी और चारों ओर हिमालय पर्वत की चोटियों का सुंदर दृश्य दिखाई देता है। चारों ओर से पहाड़ों से घिरे शिमला और मनाली को देखकर रोमांच और रोमांस का अनुभव होता है।
5. ऊटी :
तमिलनाडु का विश्व प्रसिद्ध शहर ऊटी हनीमून के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। इसे पहाड़ों की रानी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक फैली हरियाली, चाय के बागान, तरह-तरह की वनस्पतियां आपको मंत्रमुग्ध कर देगी।
6. लक्षद्वीप :
32 किलोमीटर लंबी भूमि 36 से अधिक छोट-छोटे टापूनुमा द्वीपों में बंटी हुई है, जिसे लक्ष्यद्वीप कहा जाता है। यह दुनिया के सर्वाधिक विहंगम उष्ण कटिबंधी द्वीपों में से एक है। यहां सुंदर सकरे और लंबे लैगून (समुद्र तल, कच्छ या खाड़ी) है। यहां जाकर मन रोमांचित हो उठता है।
7. उदयपुर:
उदयपुर में भी आप कभी भी जा सकते हैं। यहां आप झीलों का मजा ले सकते हैं। यहां की हवेलियों और महलों की भव्यता को देखकर दुनिया भर के पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।
8. पचमढ़ी :
होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है जिसे मध्यप्रदेश का श्रीनगर और स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। रोमांटिक स्थलों में यह टॉप पर है।
9. लोनावाला :
महाराष्ट्र में मुंबई से करीब 96 किलोमीटर और खंडाला से लगभग 5 कीलोमीटर दूर स्थित है लोनावला (लोणावळा) हिल स्टेशन। पूणे से मात्र 2 घंटे का रास्ता है। इसे झीलों का जिला कहते हैं। मुंबई और पूना वासियों के लिए यह उनका फेवरिट डेस्टिनेशन है।
10. श्रीनगर:
कश्मीर को पहले सतीसर कहा जाता था और श्रीनगर जिसका पुराना नाम प्रवर पुर है। श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां सुंदर झीलों के साथ ही बर्फ से ढके खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। यह वृक्ष समूचे कश्मीर की शोभा बढ़ाते हैं।

रोमांच और खतरों से भरी मां नंदादेवी की अद्भुत यात्रा

उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ के तपोवन क्षेत्र में नंदा देवी का सबसे ऊंचा पहाड़ है। नंदादेवी के दोनों ओर ग्लेशियर यानी हिमनद हैं। इन हिमनदों की बर्फ पिघलकर एक नदी का रूप ले लेती है। यहां दो बड़े ग्लेशियर है- नंदादेवी नॉर्थ और नंदा देवी साउथ। दोनों की लंबाई 19 किलोमीटर है। इनकी शुरुआत नंदा देवी की चोटी से ही हो जाती है जो नीचे घाटी तक आती हैं। आओ जानते हैं नंदा देवी की ऐतिहासिक यात्रा की 10 खास बातें।

1. माता पार्वती है नंदा देवी: उत्तराखंड के लोग नंदादेवी को अपनी अधिष्ठात्री देवी मानते हैं और यहां की लोककथाओं में उन्हें हिमालय की पुत्री कहा गया है, अर्थात वे माता पार्वती हैं।
2. गढ़वाल-कुमाऊं का मिलन: नंदा देवी गढ़वाल के साथ साथ कुमाऊं कत्युरी राजवंश की ईष्टदेवी थीं और वे उत्तराखंड की बेटी हैं, वह इस यात्रा के माध्यम से अपने ससुराल यानी कैलाश पर्वत जाती हैं। इस ऐतिहासिक यात्रा को गढ़वाल-कुमाऊं के सांस्कृतिक मिलन का प्रतीक भी माना जाता है।
3. सबसे ऊंची चोटी: नंदा देवी पर्वत भारत की दूसरी एवं विश्व की 23वीं सर्वोच्च चोटी है। इस चोटी को उत्तरांचल राज्य में मुख्य देवी के रूप में पूजा जाता है। इससे ऊंची व देश में सर्वोच्च चोटी कंचनजंघा है। नंदा देवी पर्वत लगभग 25,643 फीट ऊंचा है।
4. 12 वर्ष में एक बार यात्रा: नंदा देवी की चढ़ाई अत्यधिक कठिन मानी जाती है। नंदा देवी की कुल ऊंचाई 7816 मीटर यानी 25,643 फीट है। यहां तक पहुंचने के लिए प्रत्येक 12 वर्ष में एक धार्मिक यात्रा का आयोजन होता है प्रतिवर्ष भाद्रपद के शुक्ल पक्ष में नंदादेवी मेला प्रारंभ होता है।
5. हिमालयी कुंभ: चूंकि इस यात्रा का आयोजन कुंभ की तरह हर बारह वर्ष के बाद होता है, इसलिए इसे हिमालयी कुंभ के नाम से भी जाना जाता है।
6. आदि शंकराचार्य ने की थी यात्रश की शुरुआत: नंदा देवी राजजात यात्रा को विश्व की सबसे लम्बी पैदल और धार्मिक यात्रा माना जाता है। इस पहाड़ पर चढ़कर माता के दर्शन करना बहुत ही कठिन होता है। इस यात्रा की शुरुआत आदि शंकराचार्य ने ईसा पूर्व की थी।
7. यात्रा का प्रारंभ और अंत: नंदादेवी की यह ऐतिहासिक यात्रा चमोली जनपद के नौटी गांव से शुरू होती है जो रूपकुंड होकर हेमकुंड तक जाती है जो 18 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित है।
8. रोमांचक और खतरों से भरी होती है ये यात्रा: इस 280 किमी की धार्मिक यात्रा के दौरान रास्ते में घने जंगल, पथरीले मार्गों व दुर्गम चोटियों और बर्फीले पहाड़ों को पार करना पड़ता है। नंदादेवी चोटी के नीचे पूर्वी तरफ नंदा देवी अभयारण्य है। यहां कई प्रजातियों के जीव-जंतु रहते हैं। इसकी सीमाएं चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों से जुड़ती हैं।
9. 19 दिन लगते हैं यात्रा पूर्ण होने में : इस यात्रा को पूरा करने में 19 दिन का समय लग जाता है। इस यात्रा के 19 पड़ाव है। रास्ते में विभिन्न पड़ावों से होकर गुजरने वाली यह यात्रा में भिन्न-भिन्न पड़ावों पर लोग इस यात्रा में मिलकर इस यात्रा का हिस्सा बनते हैं। इस यात्रा का आयोजन नंदादेवी राजजात समिति द्वारा किया जाता है।
10. यात्रा का आकर्षण चौसिंगा खाडू: इस यात्रा का मुख्य आकर्षण चौसिंगा खाडू (चार सींगों वाला भेड़) होता है, जो कि स्थानीय क्षेत्र में राजजात यात्रा शुरू होने से पहले पैदा हो जाता है। उसकी पीठ में दो तरफ थैले में श्रद्धालु गहने, श्रृंगार सामग्री व अन्य भेंट देवी के लिए रखते हैं, जो कि हेमकुंड में पूजा होने के बाद आगे हिमालय की ओर प्रस्थान करता है। यात्रा में जाने वाले लोगों का मानना है कि यह चौसिंगा खाडू आगे विकट हिमालय में जाकर विलुप्त हो जाता है। माना जाता है कि यह नंदादेवी के क्षेत्र कैलाश में प्रवेश कर जाता है, जो आज भी अपने आप में एक रहस्य बना हुआ है।

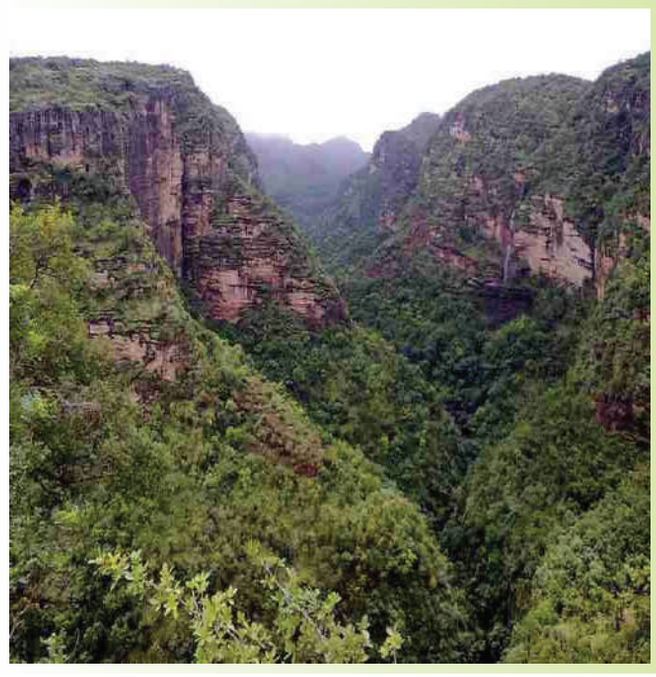

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जीसीडब्ल्यू परेड में डोगरी नाटक चंचलो का शानदार मंचन

जम्मू, 29 सितंबर (हि.स.)। गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वीमेन (जीसीडब्ल्यू), परेड ग्राउंड, जम्मू के परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग ने रंगयुग - थिएटर फॉर सोशल चेंज एंड सेल्फ रियलाइजेशन तथा 92.7 बिग एफएम के हैंड्स फॉर ह्यूमैनिटी अभियान के तहत बहुचर्चित डोगरी नाटक चंचलो का सफल मंचन किया। प्रख्यात आरजे डॉ. जुही मोहन ने इस नाटक का अनुवाद, रूपांतरण और संपूर्ण अभिनय एकल प्रस्तुति के रूप में किया। करीब 90 मिनट तक चले इस नाटक में उन्होंने घरेलू सहायिका के संघर्ष, शोषण और जीवन की जद्दोजहद को भावनात्मक और सशक्त अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया। दर्शकों ने पूरे समय गहन ध्यान से नाटक का आनंद लिया और अंत में खड़े होकर तालियों से स्वागत किया। नाटक का डिजाइन और निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी दीपक कुमार ने किया।

यह प्रस्तुति नादिरा जहीर बाबर के प्रसिद्ध हिंदी नाटक सकुबाई पर आधारित है, जिसे डोगरी रंग में ढालकर पेश किया गया। इस अवसर पर नोडल प्रिंसिपल, ऑल कॉलेजेज जम्मू डिवीजन, डॉ. रविंदर कुमार टिक्कू ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रस्तुति कॉलेज के स्किल कोर्स कर रहे विद्यार्थियों के लिए एक जीवंत मास्टरक्लास साबित हुई। कॉलेज की प्राचार्य ने कहा कि थिएटर से जुड़े हर पहलू, अभिनय, निर्देशन, सेट, प्रॉप्स, लाइट्स और मंच प्रबंधन को छात्रों ने प्रत्यक्ष रूप से देखा और सीखा। रंगयुग के निदेशक दीपक कुमार ने कहा कि यह पहल सिर्फ नाटक तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और रचनात्मक अभिव्यक्ति को भी बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि चंचलो जैसे नाटक युवाओं को सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक करने और महिला छात्रों को प्रोफेशनल थिएटर का अनुभव देने का माध्यम हैं। कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग अशिष शर्मा (सहायक निर्देशक एवं लाइट्स), शिवन गुप्ता (संगीत एवं ध्वनि), शम्मी धामिर (मेकअप), नेहारिका (प्रॉप्स) तथा स्किल कोर्स के विद्यार्थियों ने प्रदान किया। यह मंचन 92.7 बिग एफएम और रंगयुग के हैंड्स फॉर ह्यूमैनिटी अभियान का हिस्सा था, जिसके अंतर्गत कला को मानवीय कार्यों और आपदा प्रभावित परिवारों की मदद से जोड़ा जा रहा है।

शिक्षकों ने आईआईटी जम्मू में उन्नत भारत अभियान कार्यशाला में लिया भाग

जम्मू, 29 सितंबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के उन्नत भारत अभियान (यूबीए) सेल के संयोजक डॉ. भरत भूषण जिंदल और सदस्य डॉ. सनी कुमार शर्मा ने आईआईटी जम्मू द्वारा आयोजित एक दिवसीय समीक्षा कार्यशाला में सहभागिता की।

यह कार्यशाला यूबीए गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा, संस्थानों के बीच अनुभव साझा करने और ज्ञान अद्यतन के उद्देश्य से आयोजित की गई।

सत्र भाग लेने वाले संस्थानों की उपलब्धियां और अनुभव में डॉ. जिंदल ने एसएमवीडीयू यूबीए सेल की ओर से अपनाए गए गांवों में किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने समुदाय से जुड़ाव, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और विकासात्मक गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विश्वविद्यालय ने कम्युनिटी एंगेजमेंट एंड सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी नामक मूल्यवर्धित विषय की शुरुआत की है। इस विषय के माध्यम से स्नातक स्तर के छात्रों को ग्रामीण जीवन का अनुभव मिलता है और वे गांवों की वास्तविक चुनौतियों से रूबरू होते हैं। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की भावना के अनुरूप है।

प्रस्तुति में विश्वविद्यालय की इन-हाउस और ऑफ-कैंपस गतिविधियों का भी उल्लेख किया गया। विशेष रूप से संस्थागत वेबसाइट पर यूबीए पहलों को प्रदर्शित करने के प्रयासों को सराहा गया। अन्य संस्थानों के प्रतिभागियों ने इस प्रस्तुति को आंखें खोलने वाला अनुभव करार दिया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में हिंदी पखवाड़े का समापन

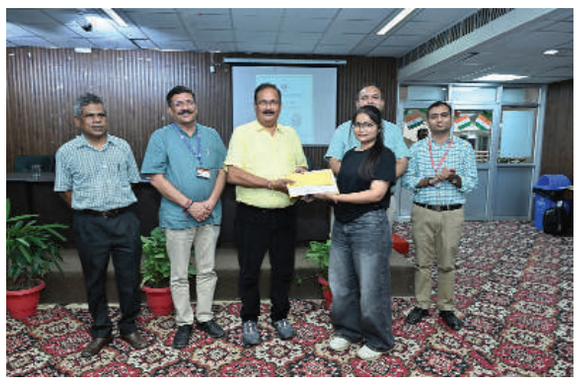

जम्मू, 29 सितंबर (हि.स.)। केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में हिंदी पखवाड़े का समापन सोमवार को हुआ। समापन समारोह में कुलपति प्रो. संजीव जैन मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर प्रो. यशवंत सिंह (रजिस्ट्रार), प्रो. भरत भूषण (विभागाध्यक्ष हिंदी), डॉ. प्रियांजन (सहायक निदेशक आरएंडबी) सहित शिक्षक, विद्यार्थी और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि पूरे देश में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ 14 सितंबर को गृहमंत्री द्वारा गांधीनगर से हुआ था। इसके बाद विश्वविद्यालय ने 18 सितंबर से हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विविध प्रतियोगिताओं की शुरुआत की। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के हिंदी विभाग से आचार्य प्रो. चंद्रकांत ने अपने प्रेरक विचार व्यक्त किए।

इस अवधि में 18 सितंबर को भाषण, वाद-विवाद और मौलिक कविता प्रतियोगिता (विद्यार्थियों के लिए), 19 सितंबर को हिंदी हस्ताक्षर अभियान, 22 सितंबर को निबंध व प्रारूप लेखन (स्टाफ के लिए), 23 सितंबर को श्रुतलेख, 24 सितंबर को हिंदी टाइपिंग और 25 सितंबर को हिंदी क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को समापन अवसर पर पुरस्कृत किया गया। सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए विश्वविद्यालय ने 25 सितंबर को सरकारी स्कूल जाख और सरकारी स्कूल विजयपुर में भी हिंदी पखवाड़े से जुड़ी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इनमें भाषण, वाद-विवाद और मौलिक कविता प्रस्तुतियां शामिल थीं। विजेताओं को सम्मानित किया गया और छात्रों को हिंदी भाषा एवं पखवाड़े के महत्व से अवगत कराया गया।

समापन पर कुलपति प्रो. संजीव जैन ने सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि हिंदी हमारी सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रीय एकता और परंपरा का प्रतीक है। यह पखवाड़ा केवल भाषा का उत्सव नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों में हिंदी के प्रति जागरूकता और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का अवसर है। उन्होंने हिंदी प्रकोष्ठ व हिंदी विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को भविष्य में भी जारी रखने का आह्वान किया।

प्रधान मंत्री मोदी के जीवन पर एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

जम्मू, 29 सितंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के महासचिव और पूर्व उप महापौर जम्मू, बलदेव सिंह बिलवारिया ने बिलावर में भाजपा पहाड़ी जिला बसोहली के तहत प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर एक भव्य विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन उनके बचपन से लेकर उनके संघर्षों, संगठनात्मक यात्रा, गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके ऐतिहासिक कार्य और देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर रहते हुए उनकी अभूतपूर्व उपलब्धियों का विवरण दिया गया।

बिलवाड़ा पब्लिक स्कूल सहित सरकारी स्कूलों के छात्रों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। बच्चों ने प्रधानमंत्री के जीवन से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा में योगदान देने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बलदेव सिंह बिलावरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन इस बात का जीवंत उदाहरण है कि कड़ी मेहनत, ईमानदारी, त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण से कैसे असंभव से असंभव लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है।

गांधी नगर महिला महाविद्यालय में मल्टीस्पेशलिटी हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित

जम्मू, 29 सितंबर (हि.स.)। आज 29 सितंबर 2025 को गांधी नगर के सरकारी महिला महाविद्यालय के परिसर में सिबा इवेंट मैनेजमेंट एंड इनोवेशंस कोऑपरेटिव लिमिटेड ने शॉपर्स स्टॉप के सहयोग से एक मल्टीस्पेशलिटी हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया। इस कैंप में 1,000 से अधिक छात्र, शिक्षक और स्टाफ ने स्वास्थ्य जांच और परामर्श का लाभ लिया।कैंप में यूजाला सिग्नस जेके मेडिसिटी हॉस्पिटल, शार्प साइट आई हॉस्पिटल्स, पाथ स्क्रायर लैब्स, अजय हियरिंग केयर सेंटर, मेलोडेंट डेंटल एंड स्किन केयर, होलिस्टिक ह्यूज़, सुमाली फाइनेंशियल सर्विसेज और डीएसके कैटर्स जैसी संस्थाओं ने सहभागिता की। इस स्वास्थ्य जांच कैंप में शारीरिक, आंख, दांत और त्वचा से संबंधित जांचों के साथ-साथ वित्तीय और जीवनशैली पर मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और स्टाफ में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना और समय पर रोकथाम एवं इलाज को प्रोत्साहित करना था। कैंप के सफल आयोजन ने महाविद्यालय समुदाय में स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने उपराज्यपाल से बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित लोगों के मुद्दे उठाए

जम्मू, 29 सितंबर (हि.स.)। आज 11 सदस्यीय कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल ने वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और डूबते गाँवों से प्रभावित लोगों के राहत और पुनर्वास से जुड़े मुद्दे उठाए।

इसके अलावा, प्रतिनिधि मंडल ने केंद्र सरकार पर राज्य की बहाली के लिए प्रभाव डालने का आग्रह भी किया। उपराज्यपाल ने प्रतिनिधियों की चिंताओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

बाबा आगार जितो क्रिकेट क्लब ने जीता कटरा मानसून क्रिकेट कप का खिताब

कटरा, 29 सितंबर (हि.स.)। कटरा में खेले गए मानसून क्रिकेट कप के फाइनल मुकाबले में बाबा आगार जितो क्रिकेट क्लब ने शानदार प्रदर्शन कर कटरा क्रिकेट क्लब को 13 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया।

इसमें हुए टॉस में बाबा आगार जितो क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। टीम की ओर से रोहित ने 48, राजेंद्र ने 28, सुंदर ने 25 रन बनाए जबकि अतिरिक्त से 8 रन जुड़े।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी कटरा क्रिकेट क्लब की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 147 रन ही बना सकी और 13 रनों से हार गई। कटरा क्रिकेट क्लब की ओर से राहुल ने 35, हिमालय ने 36, रंजीत ने 12 और अंशुमान ने 11 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में बाबा आगार जितो की ओर से जगत ने 2, जितेंद्र ने 2, विकास और रोहित ने 1-1 विकेट लिया। वहीं कटरा क्रिकेट क्लब की ओर से प्रदीप ने 4 विकेट झटके।

मुख्य अतिथि के रूप में श्री माता वैष्णो देवी विधानसभा क्षेत्र के विधायक बलदेव राज शर्मा और स्पोर्ट्स स्टेडियम कटरा के निदेशक ध्रुव गुप्ता प्रेस क्लब कटरा के प्रधान अरुण शर्मा, भाजपा नेता मनोज शर्मा, रणजीत सिंह मौजूद रहे। उन्होंने विजेता टीम को 50,000 की

पुरस्कार राशि वितरित की जबकि उपविजेता रही टीम को 11000 पुरस्कार राशि दी।

इस दौरान मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज का खिताब राजेंद्र को मिला। बेस्ट बल्लेबाज का खिताब भी राजेंद्र को दिया गया जबकि बेस्ट गेंदबाज का अवार्ड प्रदीप को मिला। टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लिया था। इस अवसर पर विधायक बलदेव राज शर्मा ने विजेता टीम को 3 लाख की राशि और खेल किट देने की घोषणा की। साथ ही स्पोर्ट्स अकादमी कटरा के अनूप बाबा को इतने शानदार आयोजन के लिए बधाई दी।

लंबे समय से गिरफ़्तारी से बच रहा एक कुख्यात धोखेबाज और घोषित अपराधी गिरफ़्तार

सोपोर, 29 सितंबर (हि.स.)। सोपोर पुलिस ने एक कुख्यात धोखेबाज और घोषित अपराधी जुबैर अहमद गनी उर्फ़ पीना उर्फ़ मंसूर गनी पुत्र अब्दुल रशीद गनी निवासी रोहामा रफ़ियाबाद को गिरफ़्तार किया है जो लंबे समय से गिरफ़्तारी से बच रहा था। आरोपी धोखाधड़ी और ठगी के कई मामलों में वांछित था और जम्मू-कश्मीर की विभिन्न माननीय अदालतों जिनमें बारामूला, बडगाम, कुपवाड़ा, अनंतनाग, पुलवामा, श्रीनगर और कुलगाम की अदालतें शामिल हैं द्वारा जारी 19 गैर-ज़मानती वारंटों का सामना कर रहा था। महत्वपूर्ण बात यह है कि आरोपी को जेएमआईसी डांगीवाचा की माननीय अदालत सहित विभिन्न अदालतों द्वारा चार मामलों में घोषित अपराधी भी घोषित किया जा चुका था और बार-बार कानूनी कार्रवाई के बावजूद वह फरार था।

NOTICE

I Ranjana kumari D/o sh. Ved Paul R/o village Kootah Tehsil Hiranagar District Kathua (UT of J&K) have applied for the correction of my name which has wrongly mentioned in my marks sheet certificate of 10th class Ranjana instead of Ranjana Kumari. Now I am going to apply for correction of the same is KV No. 1 Udhampur as Ranjana Kumari in Diploma of 10th class. Objection If any may be conveyed to the concerned authority within in seven days from the publication of this notice

सेना ने रियासी में नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर व्याख्यान का किया आयोजन

रियासी, 29 सितंबर (हि.स.)। संपर्क पहल के तहत भारतीय सेना ने चकलसाल्टा में नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों, छात्रों और स्थानीय लोगों में मादक द्रव्यों के सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना था।

इस व्याख्यान में 7 शिक्षकों, 55 छात्रों और 8 नागरिकों सहित कुल 70 लाभार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को नशीली दवाओं की लत के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। युवाओं और समाज पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले नशीले पदार्थों के खतरे से दूर रहते हुए एक अनुशासित और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने पर ज़ोर दिया गया।

स्कूल अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने युवा पीढ़ी और समुदाय के सदस्यों को नशामुक्त और ज़िम्मेदार जीवन जीने के लिए मार्गदर्शन देने में सेना के प्रयासों की सराहना की। इस पहल ने भारतीय सेना और स्थानीय लोगों के बीच के बंधन को और मज़बूत किया।

जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू में एआई पर कार्यशाला आयोजित

जम्मू, 29 सितंबर (हि.स.)। गवर्नमेंट गांधी मेमोरियल (जीजीएम) साइंस कॉलेज, जम्मू ने सेवा पर्व के अंतर्गत और एडीरा के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को एआई की उभरती दुनिया और उसके मानव जीवन, शिक्षा एवं शोध पर बढ़ते प्रभाव से परिचित कराना था। कार्यक्रम की शुरुआत संयोजक डॉ. वंदना खजुरिया ने अतिथि विशेषज्ञ डॉ. रवीका गुप्ता और कॉलेज प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता का स्वागत करते हुए की। अपने उद्घाटन संबोधन में प्राचार्य ने शिक्षा, शोध, उद्योग और दैनिक जीवन में एआई की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से एआई साक्षरता विकसित करने और आधुनिक टूल्स का प्रभावी उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने ऐसे आयोजनों को लगातार जारी रखने का आश्वासन भी दिया।

तकनीकी सत्र तीन इंटरएक्टिव मॉड्यूल्स में डॉ. रवीका गुप्ता द्वारा संचालित किए गए। पहले सत्र में एआई के एसडब्ल्यूओटी विश्लेषण के माध्यम से इसकी खूबियों, चुनौतियों और मीडिया व संचार में प्रासंगिकता पर चर्चा हुई। दूसरे सत्र में विद्यार्थियों को एआई, मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग जैसे बुनियादी सिद्धांतों से अवगत कराया गया। अंतिम सत्र में चैटजीपीटी, जेमिनी, नोटबुकएलएम और पर्प्लेक्सिटी जैसे टूल्स का प्रदर्शन किया गया, जिससे शोध, लेखन और अधिगम में उनके उपयोग को समझाया गया। इस अवसर पर डॉ. अशाक हुसैन, प्रो. प्रीति गुप्ता और डॉ. मुजफ्फर अहमद भी उपस्थित रहे।

मलेरिया की रोकथाम पर व्याख्यान आयोजित

पुंछ, 29 सितंबर (हि.स.)। भारतीय सेना ने क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता और सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत सरकारी उच्च विद्यालय मरहोट में मलेरिया की रोकथाम पर एक जानकारीपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया। इस सत्र में 90 छात्रों और 15 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। व्याख्यान में मलेरिया के कारणों, लक्षणों और रोकथाम के उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया जो क्षेत्र की प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। इस पहल का छात्रों और कर्मचारियों दोनों ने स्वागत किया और जन स्वास्थ्य के प्रति सेना के प्रयासों की सराहना की। इस जागरूकता अभियान से छात्रों को निवारक उपायों को अपनाने और एक स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करके समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

जम्मू वेस्ट में नया ट्यूबवेल आरंभ

जम्मू, 29 सितंबर (हि.स.)। जम्मू वेस्ट विधानसभा क्षेत्र के राजपुरा और शक्ति नगर इलाकों में लंबे समय से पानी की समस्या से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। विधायक अरविंद गुप्ता ने कमधेनु फ्लैट्स के पास नए ट्यूबवेल निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। करीब 90 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह ट्यूबवेल 15,000 गैलन प्रति घंटा की क्षमता वाला है। अधिकारियों के अनुसार, यह परियोजना अगले 15 से 20 वर्षों तक क्षेत्र की पानी की जरूरतों को पूरा कर सकती है।

उद्घाटन कार्यक्रम में पीएचई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें एक्सईएन तेजिंदर सिंह, एईई मोहिंदर सिंह मनहास, एईई पंकज मोहन शर्मा, एई शुभम और जेई ग्राउंड वाटर शामिल थे, मौजूद रहे। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। अवसर पर बोलते हुए अरविंद गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ और नियमित जल आपूर्ति लोगों की बुनियादी ज़रूरत है और इस ट्यूबवेल से क्षेत्र के हजारों परिवारों को स्थायी राहत मिलेगी। उन्होंने इसे विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

उन्होंने जम्मू नगर निगम के आयुक्त डॉ. देवांश यादव के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर तालमेल से ही ऐसे प्रोजेक्ट समय पर पूरे हो पाते हैं। स्थानीय निवासियों ने उम्मीद जताई कि इस परियोजना से पानी की किल्लत में काफी कमी आएगी और लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान होगा।

पुलिस ने चोरी का एक मामला सुलझाया, बारह लाख के सोने का सामान बरामद

श्रीनगर, 29 सितंबर (हि.स.)। मध्य कश्मीर के श्रीनगर में पुलिस ने चोरी का एक मामला सुलझाया है और बारह लाख रुपये मूल्य के सोने के सामान बरामद किए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि आरोपी की पहचान वसीम अहमद कालू पुत्र गुलाम कादिर कालू और चट्टाबल निवासी के रूप में हुई है जिसे भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस प्रवक्ता द्वारा जारी एक बयान के अनुसार 21 सितंबर 2025 को नौहट्टा पुलिस स्टेशन को मोहम्मद यूसुफ़ राथर पुत्र अब्बू गफ्फार राथर निवासी वंतपोरा राजौरी कदल से एक लिखित शिकायत मिली जिसमें कहा गया था कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी अनुपस्थिति में उनके घर में घुसकर तोड़फोड़ की और लाखों रुपये मूल्य के कई सोने के सामान चुरा लिए।

पुंछ ने संभाग स्तरीय कबड्डी अंडर-14 बालक वर्ग टूर्नामेंट जीता

किश्तवाड, 29 सितंबर (हि.स.)। इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम डोडा में अंडर-14 बालक वर्ग के लिए अंतर-जिला संभाग स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट और अंडर-17 व अंडर-19 बालिका वर्ग के लिए केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय वुशु टूर्नामेंट में आज विभिन्न जिलों के युवा एथलीटों ने रोमांचक प्रदर्शन किया। इस मेगा स्पोर्ट्स इवेंट का आयोजन युवा सेवा एवं खेल विभाग किश्तवाड़ द्वारा किया गया। दिन का मुख्य आकर्षण कबड्डी का फाइनल था जिसमें जिला पुंछ ने उल्लेखनीय टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए जिला रामबन को 31 अंकों की प्रभावशाली बढ़त के साथ हराया। इन मैचों में अनुशासन, खेल भावना और एकता के मूल्यों को दर्शाया गया जो युवा खेलों के मूल में निहित हैं। ये टूर्नामेंट महानिदेशक वाईएसएस जेएंडके अनुराधा गुप्ता और संयुक्त निदेशक वाईएसएस जम्मू विनाक्षी कौल के निर्देशन में और डीवाईएसएसओ किश्तवाड़ जाफर हैदर शेख की देखरेख में आयोजित किए जा रहे हैं।

पुरस्कार वितरण समारोह ने टूर्नामेंट का शानदार समापन किया। डीवाईएसएसओ ने क्षेत्रीय शारीरिक शिक्षा अधिकारियों और गतिविधि प्रभारियों के साथ विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

संपादकीय

इतनी जल्दी क्या है?

हालाँकि, शीर्ष नेतृत्व के लोग भारत-पाक सीमा पर स्थिति की संवेदनशीलता और अस्थिरता के बारे में किसी और से ज़्यादा जानते हैं, क्योंकि हर घटना, चाहे वह ज़मीनी स्तर पर कितनी भी मामूली क्यों न लगे, उच्च-स्तरीय प्रबंधन और पूरी जाँच की माँग करती है। उपरोक्त तथ्य के बावजूद, 25 सितंबर, 2025 को आर.एस. पुरा सीमा के पास इस तरफ़ घुसपैठ करने वाले एक पाकिस्तानी नागरिक को तुरंत वापस भेजने का संबंधित विभागों द्वारा लिया गया फ़ैसला कई सवाल खड़े करता है, खासकर यह कि इस व्यक्ति को एक हफ़्ते के भीतर ही वापस क्यों भेज दिया गया और यह कैसे तय हो गया कि वह व्यक्ति अनजाने में सीमा पार कर गया था? यह दिलचस्प है कि मामले की उच्चतम स्तर पर जाँच करने के बजाय, अधिकारियों ने उसे जल्दबाज़ी में क्लीन चिट दे दी। ऐसे समय में, जब पाकिस्तान सीमा पर भारत की तैयारियों के बारे में जानने के लिए बेताब है, जैसा कि भारतीय क्षेत्र के पास उसके ड्रोन की लगातार गतिविधियों से पता चलता है, इस व्यक्ति की बेगुनाही के बारे में निष्कर्ष निकालना मुश्किल है। पाकिस्तान की हताशा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आज ही बीएसएफ ने सांबा जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधि की सूचना मिलने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया है। पाकिस्तानी ड्रोन को सुबह 6.30 बजे रामगढ़ सेक्टर के करलियन गांव के ऊपर मंडराते देखा गया और फिर गायब हो गया। ये मानवरहित उड़ने वाली वस्तुएं भारतीय क्षेत्र में रेकी और हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए प्रवेश करती हैं। सीमा पर ऐसी गंभीर स्थिति में, जैसी चीजें दिखाई देती हैं, उन पर विश्वास करना उचित नहीं लगता। ऐसी संभावना थी कि जिस व्यक्ति को वापस भेजा गया है वह एक प्रशिक्षित जासूस या सीमा पर तैयारियों के स्तर की जांच करने के लिए एक विशेष मिशन पर भेजा गया व्यक्ति था और सतही आकलन पर भरोसा करना बिल्कुल भी अच्छा विचार नहीं था। इसके बजाय उसे विस्तृत जांच के लिए भेजा जाना चाहिए था या यह सुनिश्चित करने के लिए उसे लंबे समय तक रखा जाना चाहिए था कि जिस उद्देश्य के लिए उसे भेजा गया है वह पूरा न हो सके। यह पहला मामला नहीं है जब लोग बाड़ के इस तरफ आए हैं, क्योंकि इससे पहले भी ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें बच्चे और मानसिक रूप से अस्थिर स्थिति वाले लोग इस तरफ आए और बाद में उन्हें वापस भेज दिया गया।

नैनीताल की सुरक्षा के प्रति गंभीर नहीं है सरकार

प्रयाग पाण्डे

15 जुलाई,1892 को नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेस एंड अवध की सरकार द्वारा जारी शासनादेश संख्या-सी.1835 (बी.आर.) के तहत नैनीताल की पहाड़ियों में संभावित भू-गर्भिक हलचलों पर नजर रखने के लिए ऑब्जर्वेशन पिलर बनाने के आदेश दिए गए थे। इस आदेश के बाद नैनीताल नगर में प्रत्येक एक हजार फीट की दूरी में 84 से अधिक ऑब्जर्वेशन पिलर बनाए गए थे। दो नाप के पिलरों का निर्माण किया गया था। कुछ ऑब्जर्वेशन पिलर दो फीट चौड़े और दो फीट ऊंचे बने थे। जबकि कुछ पिलर चार फीट चौड़े और चार फीट ऊंचे थे।

कहावत है कि घर में बारात आने के बाद पानी के लिए कुआं खोदना। यानी अदूरदर्शी और तदर्थवादी सोच। घर में बारात आने के बाद पानी के लिए कुआँ खोदने का उपक्रम होगा तो इस स्थिति में अफरा- तफरी होना स्वाभाविक है। हमारी सरकारें और सरकारी मशीनरी घर में बारात आने के बाद ही कुआं खोदने की अभ्यस्त होती चली जा रही है। सरकार संभावित समस्याओं से बचने के लिए अग्रिम सुरक्षा उपायों को अमल में लाने के बजाय समस्या के मुंह बाए खड़े हो जाने के बाद ही समस्याओं से निपटने के उपाय खोजने की आदी हो गई है। संबंधित सरकारी विभागों को भी ऐसी आपाधापी रास आने लगी है।

पिछले पखवाड़े नैनीताल की निचली मालरोड में हुए भू-धंसाव के बाद पूरी सरकारी मशीनरी यकायक चौकन्नी हो गई। उच्च अधिकारियों के स्थलीय भ्रमण और निरीक्षण का सिलसिला प्रारंभ हो गया, लेकिन नैनीताल की अति संवेदनशील पहाड़ियों में हो रही भू-गर्भीय प्रक्रियाओं को जानने-समझने के लिए ब्रिटिश शासनकाल में निर्मित ऑब्जर्वेटरी और ऑब्जर्वेशन पिलरों की सुध लेने की किसी ने भी आवश्यकता नहीं समझी। आज से करीब एक सौ बयासी साल पहले करीब आधा दर्जन प्रकृति प्रेमी अंग्रेजों ने भारत में नैनीताल नाम के एक नए हिल स्टेशन को बसाना प्रारंभ किया। उन्हें नैनीताल की भौगोलिक बनावट, सुंदरता और आबोहवा अपने वतन जैसी लगी। उन्होंने अपने ऐशगाह के रूप में नैनीताल को बसाया। अंग्रेजों ने वह सब व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं, जिससे यहां की आबोहवा, खूबसूरती और सुरक्षा बनी रहे।

ब्रिटिश हुक्मरानों ने नैनीताल में अधिसंरचनात्मक सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ वैज्ञानिक पद्धतियों से संरक्षणात्मक उपाय भी किए। 1947 में देश साम्रायवादी जकड़न से स्वतंत्र हुआ। अंग्रेज अपने वतन लौट गए। अंग्रेज यहां की पहाड़ियों के नाजुक मिजाज से वाकिफ थे। उन्होंने नैनीताल की कमजोर पहाड़ियों को भू-स्खलन से सुरक्षित रखने के लिए एक विस्तृत एवं नायाब नाला तंत्र विकसित किया। भूकंप और भारी वर्षा के कारण भू-धंसाव, पहाड़ियों में बदलावों, हलचलों, दरारों और पत्थर गिरने आदि प्राकृतिक गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए ऑब्जर्वेशन पिलर और ऑब्ज़र्वेटरियां बनाई। आज इन ऑब्जर्वेशन पिलरों और ऑब्ज़र्वेटरियों का कोई पुरसहाल नहीं है। इन ऑब्जर्वेशन पिलरों और ऑब्ज़र्वेटरियों को पुनर्स्थापित करने की जरूरत नहीं समझी जा रही है। ब्रिटिश काल में बने ऑब्जर्वेशन पिलरों और ऑब्ज़र्वेटरियों को आधुनिक तकनीक के साथ पुनर्स्थापित करने का प्रस्ताव पिछले कई वर्षों से उत्तराखंड शासन में धूल चाट रहा है।

15 जुलाई,1892 को नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेस एंड अवध की सरकार द्वारा जारी शासनादेश संख्या-सी.1835 (बी.आर.) के तहत नैनीताल की पहाड़ियों में संभावित भू-गर्भिक हलचलों पर नजर रखने के लिए ऑब्जर्वेशन पिलर बनाने के आदेश दिए गए थे। इस आदेश के बाद नैनीताल नगर में प्रत्येक एक हजार फीट की दूरी में 84 से अधिक ऑब्जर्वेशन पिलर बनाए गए थे। दो नाप के पिलरों का निर्माण किया गया था। कुछ ऑब्जर्वेशन पिलर दो फीट चौड़े और दो फीट ऊंचे बने थे। जबकि कुछ पिलर चार फीट चौड़े और चार फीट ऊंचे थे। इन सभी पिलरों को सफेद रंग से रंगा जाता था। इसके अलावा ब्लीक हाउस, चड़ता हिल, जसमंडविला और टांकी में ऑब्ज़र्वेटरियां बनाई गई थीं।

अंग्रेजों के समय प्रत्येक वर्ष एक जून से 15 अक्टूबर तक ऑब्जर्वेशन पिलरों की नियमित जांच की जाती थी। चूंकि भू-स्खलन के लिहाज से शेर-का- डांडा, नैना पीक, मनोरा क्षेत्र एवं कैलाखान की पहाड़ियां और राजभवन के पीछे के दक्षिणी ढलान को प्रारंभ से ही संवेदनशील माना जाता रहा है, इसलिए ब्लीक हाउस और चड़ता हिल पहाड़ी में अवस्थित पिलरों की प्रतिदिन जांच की जाती थी। बरसात के दिनों में शेर-का- डांडा , कैलाखान और डिपो रोड नैनीताल-भवाली मोटर मार्ग का प्रतिदिन मुआयना करना अनिवार्य था। एक पखवाड़े में एक बार सभी पिलरों की जांच किया जाना अनिवार्य था। साढ़े तीन इंच से अधिक वर्षा होने पर सभी ऑब्जर्वेशन पिलरों का अविलंब मुआयना और जांच की जाती थी।पिलरों में आई दरारों की हर सप्ताह जांच होती थी, इसका बाकायदा चार्ट बनता था। सप्ताह में एक बार सहायक अभियंता और महीने में एक बार अधिशासी अभियंता द्वारा ऑब्जर्वेशन पिलरों की जाँच किया जाना आवश्यक था। बरसात खत्म होने के बाद सभी ऑब्जर्वेशन पिलरों की दरारों का अध्ययन कर उनकी मरम्मत कर दी जाती थी। इस व्यवस्था से सरकारी अमला पहाड़ में हो रही भू-गर्भीय हलचलों से बा-खबर रहता था। संभावित खतरों के मद्देनजर यथासमय सुरक्षा इंतजाम कर लिए जाते थे। कुछ दशक पूर्व तक यही व्यवस्था लागू रही। समय के साथ सब बदल गया।

साल 2018 में पीडब्ल्यूडी को इन ऑब्जर्वेशन पिलरों और ऑब्ज़र्वेटरियों की याद आई। पीडब्ल्यूडी ने इनको पुनर्स्थापित करने का निर्णय लिया। भौगोलिक परिस्थितियों में आए हालिया बदलावों के मद्देनजर पीडब्ल्यूडी ने चार ऑब्जर्वेटरी और एक सौ ऑब्जर्वेशन पिलर बनाने की आवश्यकता बताई। इसके लिए 21.74 लाख रुपये का स्टीमेट बनाया। पीडब्ल्यूडी ने अंग्रेजी शासन काल की तर्ज पर ऑब्जर्वेशन पिलरों की निगरानी के लिए एक सहायक अभियंता, दो अपर सहायक अभियंता, दो सर्वेक्षक और छह अनुरक्षकों की तैनाती की आवश्यकता बताई। 26 फरवरी, 2018 को हिल साइड सेफ्टी कमेटी ने इस प्रस्ताव पर सहमति जता दी।

हिल साइड सेफ्टी कमेटी, अंग्रेजी शासनकाल में गठित एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति है। ब्रिटिश सरकार ने 6 सितंबर,1927 को जारी आदेश संख्या 163-सी द्वारा हिल साइड सेफ्टी कमेटी का गठन किया था। कुमाऊं के कमिश्नर इसके पदेन अध्यक्ष होते हैं। कभीनैनीताल की पहाड़ियों, झील समेत संपूर्ण नगर की सुरक्षा व्यवस्था का दायित्व इसी विशेषज्ञ समिति का होता था। वर्तमान में यह कमेटी भी अपनी अहमियत खो चुकी है। पीडब्ल्यूडी से मिली जानकारी के अनुसार हिल साइड सेफ्टी कमेटी की सहमति मिलने के बाद पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर ने 21जून, 2018 को नैनीताल नगर की पहाड़ियों में एक सौ ऑब्जर्वेशन पिलर और चार ऑब्ज़र्वेटरी बनाने के इस प्रस्ताव को वित्तीय और प्रशासनिक मंजूरी के लिए उत्तराखंड शासन को भेज दिया था। पीडब्ल्यूडी के सूत्रों के अनुसार उत्तराखंड सरकार से अब तक इस प्रस्ताव को स्वीकृति नहीं मिल पाई है। विगत आठ वर्षों से यह मामला शासन के स्तर पर अटका हुआ है।

पिछले वर्षों में उत्तराखंड के कई स्थानों में आई प्राकृतिक आपदाओं के बाद यहां के सभी नगरों की भार वहन क्षमता की जांच कराने की बात चली, लेकिन नैनीताल जैसे जिन नगरों की सुरक्षा के लिए पूर्व में की गई व्यवस्थाओं को दुरुस्त अथवा पुनर्स्थापित करने की दिशा में घोर लापरवाही बरती जा रही है। जानकार लोगों का मानना है कि नैनीताल नगर की भू-गर्भीय हलचलों की सतत जांच-परख एवं तदानुसार बचाव और सुरक्षात्मक उपाय अमल में लाने के लिए ऑब्जर्वेशन पिलरों एवं ऑब्ज़र्वेटरी का रखरखाव और पुनर्स्थापना आवश्यक है। यक्ष प्रश्न यह है कि इसे करेगा कौन?

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

सेवा पखवाड़ा- जनसेवा से जनविश्वास तक की यात्रा

भाजपा का सेवा पखवाड़ा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सेवा को राजनीति की आत्मा बनाने का प्रयास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्मदिन से शुरू होकर गांधी जयंती तक चलने वाला यह पखवाड़ा राष्ट्र को यह संदेश देता है कि जनसेवा ही जनसंपर्क की सबसे पवित्र भाषा है। जब लाखों कार्यकर्ता झाड़ू लेकर गली-मोहल्लों में उतरते हैं, रक्तदान करते हैं, पौधारोपण करते हैं और स्वास्थ्य शिविर लगाते हैं, तो यह केवल काम नहीं, बल्कि एक भावना है—मैं भी अपने देश के लिए कुछ कर रहा हूँ।

सेवा पखवाड़े के दौरान हर कोने में सेवा की तस्वीरें दिखीं। कहीं स्कूली बच्चों को मुफ़्त दवाइयाँ मिलीं, कहीं युवाओं ने रक्तदान कर जीवन बचाने का संकल्प लिया। दिल्ली में अधोसंरचना परियोजनाओं की सौगात दी गई तो मध्य प्रदेश में महिलाओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित अभियान चला। लखनऊ की सड़कों पर मंत्री से लेकर सफाईकर्मी तक एक साथ झाड़ू उठाते दिखे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा—हमारे जीवन का मूलमंत्र ही सेवा है। अगर माँ स्वस्थ होगी, तो परिवार सशक्त होगा और परिवार सशक्त होगा तो राष्ट्र सशक्त बनेगा। बदलती मनोवृत्ति, बढ़ता आत्मविश्वास उत्तर प्रदेश में एक ही दिन में 391 रक्तदान शिविर आयोजित हुए, जिनमें 7287 लोगों ने रक्तदान किया। दिल्ली में 3000 करोड़ रुपये का अधोसंरचना पैकेज घोषित हुआ। मध्य प्रदेश में 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' की पहल शुरू हुई। ये आंकड़े केवल योजनाएँ नहीं बताते, बल्कि यह दर्शाते हैं कि जनता और सरकार के बीच की दूरी कम हो रही है। गृह मंत्री अमित शाह जी ने इस अवसर पर कहा—मैं मोदी जी को 24 वर्षों से जानता हूँ। उन्होंने इस पूरे समय में एक भी छुट्टी नहीं ली। जिनका जीवन ही सेवा है, उनके लिए सेवा पखवाड़ा सबसे बड़ा उत्सव है। जनता के बीच भी इस अभियान ने विश्वास जगाया। हरिद्वार के एक बुज़ुर्ग ने स्वास्थ्य शिविर में भावुक होकर कहा—बेटा, पहले इलाज के लिए हमें शहर भागना पड़ता था। आज दवाइयाँ हमारे दरवाज़े पर आ रही हैं। यही असली सेवा है। लखनऊ में एक युवती ने पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान मुस्कुराकर कहा—अब लगता है कि स्वच्छता और हरियाली हमारी भी जिम्मेदारी है, सिर्फ सरकार की नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा पखवाड़े को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विकसित भारत के चार स्तंभ—महिला, युवा, गरीब और किसान—को सशक्त करने का अभियान बताया। इस दौरान महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर, युवाओं के लिए रक्तदान और पौधारोपण, किसानों के लिए तकनीकी सहयोग और गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएँ चलाई गईं। हर कोने से जनता की आवाज़ गूँजी कि अब सेवा सिर्फ़ नारा नहीं, बल्कि उनकी ज़िंदगी में उतर रही हकीकत है। यह पखवाड़ा प्रधानमंत्री की जनसेवक छवि को और गहरा करता है। जब एक किसान कहता है अगर यह सेवा निरंतर चले तो गाँव बदल जाएगा और एक छात्र कहता है हम भी देश बदलने की ताक़त रखते हैं—तो यह बताता है कि सेवा से ही शक्ति का जन्म होता है। सेवा पखवाड़ा केवल भाजपा या मोदी के लिए राजनीतिक पूंजी नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए आत्मविश्वास और आशा का नया स्रोत बन चुका है।

भीड़ हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?

निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है।

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और सुपर अभिनेता से नेता बने विजय की चुनावी रैली के दौरान मची भगदड़ दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ स्तब्ध करने एवं पीड़ा देने वाली भी है। विजय की रैली में एक बार फिर भीड़ की बेकाबू उन्मत्तता ने 40 मासूम जिंदगियों को निगल लिया। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं? भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं टीवीके प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने विजय को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक एवं दर्दनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन, सत्ता एवं राजनीतिक दलों का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

अभिनेता विजय की चमक में

प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें दुखद एवं शर्मनाक है। इस राज्य में दशकों से विशाल राजनीतिक सभाओं की संस्कृति रही है, जिसे फिल्म और राजनीति के मेल ने पोषित किया है। सीएन अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन और जयललिता, सभी मुख्यमंत्री बनने से पहले फिल्मी सितारे थे। उनकी रैलियों में अक्सर लाखों लोग आते थे। स्टार पावर और राजनीति का मेल अधिकारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल बना देता है। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके अभी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इसकी रैलियों में प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि सिने स्टार को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है।

इसे भी पढ़ें:- करूर भगदड़ पर चिदंबरम का बड़ा बयान, बोले- सभी पक्षों की ओर से हुई त्रुटिकरीब तीन महीने पहले जून में बंगलूरू में आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में भी करीब एक दर्जन लोग मारे गए थे। हालांकि, शनिवार रात करूर में उमड़ी भीड़ किसी राजनीति जमावड़े से अधिक अपने सुपरस्टार को करीब से देखने के लिए बेताब प्रशंसकों की थी। इसी उन्माद में, जब एक पेड़ की डाली पर चढ़े कुछ समर्थक अभिनेता की प्रचार गाड़ी के पीछे खड़े लोगों पर गिर पड़े, तो दहशत फैल गई और रैली एक हादसे में बदल गई। इसी में करीब 40 लोगों के मरने और कइयों के घायल होने की खबरें हैं। तमिलनाडु में, 2026 में चुनाव होने हैं और टीवीके बेशक मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी हो, लेकिन दुर्घटना के बाद विजय जिस तरह से जल्दबाजी में चार्टर्ड फ्लाइट से चेन्नई चले गए, उससे यही साबित होता है कि अभी उन्हें राजनीति के कई सबक एवं राजनीतिक मूल्यों को सीखने हैं। क्योंकि आखिर वह अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? टीवीके ने तीस हजार लोगों की अनुमति ली थी और इसी हिसाब से पुलिस की तैनाती भी हुई थी। लेकिन शाम होते-होते इसके दोगुने लोग अभिनेता की एक झलक पाने को मौजूद थे।

निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है। यही कारण है कि क्रिकेट मैच से लेकर राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन और फिल्मी सितारों की झलक तक, हर जगह भीड़ का जुनून कई बार मौत का तांडव बन जाता है। इतिहास गवाह है कि भीड़ की हिंसा ने न केवल जानें ली हैं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी चोट पहुंचाई है। 1984 के सिख विरोधी दंगे, 1992 का बाबरी मस्जिद प्रकरण, गुजरात हिंसा, धार्मिक जुलूसों में भगदड़ या तीर्थयात्राओं में दबकर मरने वाले सैकड़ों लोग-इन सबकी जड़ में 'भीड़' है। भीड़ के भीतर छिपा हुआ सामूहिक उन्माद किसी भी क्षण हिंसा, लूट और तबाही में बदल जाता है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे एवं हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पोल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

विजय और उनके समर्थक कुछ भी कहें, वे अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। इसलिए और नहीं बच सकते, क्योंकि उन्होंने अपनी रैली में आने वाले लोगों की संख्या के बारे में भी कोई सही जानकारी नहीं दी थी। बहुत संभव है कि इसके चलते पुलिस ने भी पर्याप्त व्यवस्था न की हो। तमिलनाडु में सेलेब्रिटी स्टेटस वाले लोगों के प्रति दीवानगी कुछ ज्यादा ही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हर त्रासदी के बाद सरकारें और पुलिस प्रशासन सिर्फ 'जांच समिति' और 'मुआवजा' देने की घोषणा करके अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाते हैं। न तो कोई ठोस नीतियां बनती हैं, न ही आयोजकों पर कठोर जिम्मेदारी तय की जाती है।

आयोजकों की लापरवाही और प्रशासन की ढिलाई इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह हैं। यदि समय रहते सुरक्षा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की सख्त व्यवस्था हो, तो ऐसी भयावह स्थितियों को टाला जा सकता है। भीड़ की त्रासदी केवल प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक मनोविज्ञान का भी प्रतिबिंब है। आमजन की 'हीरो-दीवानगी' और अंधभक्ति किसी भी भीड़ को अनियंत्रित बना देती है। जब तक नागरिक चेतना में संयम और विवेक नहीं आएगा, तब तक भीड़ केवल संख्या का खेल बनी रहेगी और उसका परिणाम विनाशकारी होता रहेगा। अब वक्त आ गया है कि सरकारें भीड़ प्रबंधन को 'राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडा' में शामिल करें। राजनीतिक दलों, धार्मिक आयोजकों और सिनेमा जगत को भीड़ जुटाने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करना होगा। यह ठीक है कि करूर की घटना पर सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की, लेकिन यदि इस घटना से कोई ठोस सबक नहीं सीखा जाता तो इन संवेदनाओं का कोई मूल्य नहीं, बल्कि ये खोखली दिखावा मात्र हैं। इसलिए यह जरूरी है कि भीड़ की हिंसा और त्रासदी को केवल 'संयोग' न माना जाए, बल्कि उसे रोकने के लिए गंभीर कदम उठाए जाएं। अन्यथा यह सिलसिला न केवल जारी रहेगा, बल्कि हर बार अधिक भयावह होता जाएगा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

- ललित गर्ग

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साभार : प्रभासाक्षी

आईसीसी ने महिला विश्व कप 2025 के कमेंट्री पैनल का किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए कमेंटेटरों के एक मजबूत पैनल की घोषणा की है। इस कमेंट्री पैनल में कई महिला खिलाड़ियों को ज्यादा जगह दी गई है, जिनमें भारत की दो पूर्व कप्तान भी हैं। पैनल में शामिल दिग्गज महिला क्रिकेटर अपनी आवाज से दर्शकों को रोमांचित करेंगी। कमेंट्री पैनल में पूर्व विश्व कप विजेता मेल जोन्स, ईसा गुहा, स्टेसी-एन किंग और जूलिया प्राइस के साथ भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज, अंजुम चोपड़ा और पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सना मीर शामिल हैं। इसके अलावा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन, ऑस्ट्रेलिया के एरॉन फिंच, वेस्टइंडीज के कार्लोस ब्रेथवेट, भारत के दिनेश कार्तिक, न्यूजीलैंड की केटी मार्टिन के साथ इयान बिशप, नताशा फैरेंट, म्पुमेलो म्बांगवा और रसेल अर्नोल्ड भी टीम का हिस्सा होंगे। पैनल में अनुभवी प्रसारक नताली जर्मनोस, एलन विल्किंस और कास नायडू के साथ-साथ उभरते प्रसारक रौनक कपूर और जतिन सप्रू को भी रखा गया है। कमेंट्री पैनल में शामिल किए जाने पर मिताली राज ने विश्व कप 2025 को अगली पीढ़ी की लड़कियों को प्रेरित करने वाला टूर्नामेंट बताया। मिताली राज ने कहा कि भारत और श्रीलंका में महिला विश्व कप का आयोजन देखना बेहद संतोषजनक है।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप : रुज्दी ने विश्व रिकॉर्ड के साथ लगातार छठा शॉटपुट स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली। बुल्गारिया के रुज्दी ने सुबह यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रहे विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की शॉटपुट एफ55 स्पर्धा में लगातार छठा स्वर्ण पदक जीता। सुबह के सत्र में स्थापित तीन विश्व रिकॉर्डों में से एक 12.94 मीटर के विश्व रिकॉर्ड के साथ उनका दबदबा रहा। मलेशिया के अब्दुल लतीफ रोमली ने विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की लंबी कूद टी20 स्पर्धा में 7.67 मीटर के विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की, जबकि यूक्रेन के वोलोडिमिर पोनोमारेंको ने अपने दूसरे प्रयास में 17.39 मीटर के साथ पुरुषों की शॉटपुट टी12 स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड बनाया और मुकाबला निर्णायक रूप से जीत लिया। 34 वर्षीय रुज्दी ने अपने अंतिम प्रयास में लोहे की गेंद को 12.94 मीटर से ज्यादा की दूरी से फेंका, जिससे दो साल पहले पेरिस में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाए गए उनके 12.69 मीटर के रिकॉर्ड में सुधार हुआ। सर्बिया के नेबोजसा ड्यूरिक ने छह बार 12 मीटर से ज़्यादा की दूरी से थ्रो किया, लेकिन रुज्दी ने ड्यूरिक के सर्वश्रेष्ठ 12.52 मीटर से पांच बेहतर थ्रो किए।

बंगलादेश ने अफगानिस्तान के खिलाफ टीम की घोषणा की, टी20 सीरीज से बाहर हुए कप्तान लिटन दास

ढाका। बंगलादेश के कप्तान लिटन दास एशिया कप के दौरान पेट की बाईं मांसपेशी में ग्रेड 1 खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। दास की अनुपस्थिति में जैकर अली टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। टीम के फिजियो बैजेदुल इस्लाम खान ने कहा, 'वह (दास) साइड स्ट्रेन के कारण एशिया कप के पिछले दो मैच नहीं खेल पाए थे। एमआरआई स्कैन से पेट की बाईं मांसपेशी में ग्रेड 1 खिंचाव का पता चला है। वह रिकवरी कर रहे हैं और टी20 सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। मेडिकल टीम उनके पुनर्वास का प्रबंधन और उनकी प्रगति पर नजर रखेगी। यह 32 वर्षीय बल्लेबाज एशिया कप खेलने वाली बंगलादेशी टीम में शामिल एकमात्र खिलाड़ी हैं। शारजाह में खेली जाने वाली तीन मैचों की यह श्रृंखला 2 अक्टूबर से शुरू होगी।

बंगलादेशी टीम :

जैकर अली (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदॉय, शमीम हुसैन, नूरुल हसन, रिशाद हुसैन, महेदी हसन, नसुम अहमद, तस्कीन अहमद, तनजीम हसन साकिब, मुस्तफिजुर रहमान, शरीफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन, सौम्या सरकार

कुलदीप यादव ने एशिया कप में सभी गेंदबाजों को पछाड़ा, बने इतिहास के नंबर-1 विकेट लेने वाले गेंदबाज

दुबई। भारत और पाकिस्तान के बीच टी 20 एशिया कप 2025 का फाइनल मुकाबला रोमांचक रूप से खेला जा रहा है। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। शुरुआती बल्लेबाजी में पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान और फखर जमां ने अच्छी साझेदारी की और टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। लेकिन भारतीय स्पिन गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तानी बल्लेबाजों को दबाव में रखा और मैच में भारतीय टीम की वापसी करवाई। टी20 एशिया कप के इस महत्वपूर्ण फाइनल में कुलदीप यादव ने चार ओवर में मात्र 30 रन देकर चार अहम विकेट झटके। उनके खिलाफ पाकिस्तान के बल्लेबाज खास कमाल नहीं कर पाए और उनकी बल्लेबाजी कमजोर दिखी। कुलदीप ने सैम अयूब, सलमान अली आगा, शाहीन अफरीदी और फहीम अशरफ जैसे प्रमुख बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। उनकी इस धमाकेदार गेंदबाजी की वजह से पाकिस्तानी टीम बैकफुट पर आ गई। कुलदीप यादव ने इस प्रदर्शन के साथ ही एशिया कप (वनडे और टी20 दोनों फॉर्मेट मिलाकर) के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का भी रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। अब उनके खाते में कुल 35 विकेट हो गए हैं, जबकि श्रीलंका के महान तेज गेंदबाज लासिथ मलिंगा के नाम 32 विकेट हैं।

भारत ने 9वीं बार एशिया कप जीता

पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया, तिलक वर्मा की फिफ्टी और कुलदीप यादव की घातक गेंदबाजी

एजेंसी

दुबई। भारत ने एशिया कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर 9वीं बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और गेंदबाजों ने कप्तान के फैसले को सही साबित किया। पाकिस्तान की पूरी टीम 19.1 ओवर में 146 रन पर ढेर हो गई। साहिबजादा फरहान ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाए। कुलदीप यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए। जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल को 2-2 सफलता मिली।

भारत की पारी - तिलक वर्मा बने हीरो: 147 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया को शुरुआती झटके लगे।

शुभमन गिल (12), अभिषेक शर्मा (5) और सूर्यकुमार यादव (1) पावरप्ले में ही आउट हो गए।

चौथे विकेट पर तिलक वर्मा और संजू सैमसन ने पारी को संभाला। संजू सैमसन 24 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन तिलक वर्मा डटे रहे और इस एशिया कप में अपनी पहली फिफ्टी पूरी की। उन्होंने आख़िर तक टीम को जीत दिलाई। भारत ने 19.2 ओवर में 5 विकेट पर 147 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया।

मैच का टर्निंग प्वॉइंट

गेंदबाजी में कुलदीप यादव का स्पैल और

बल्लेबाजी में तिलक वर्मा की संयमित पारी टीम इंडिया की जीत की नींव बनी।

भारत का एशिया कप सफर

इस जीत के साथ भारत ने एशिया कप 9वीं बार जीता। यह टूर्नामेंट भारतीय टीम के लिए खास रहा, क्योंकि युवा खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौके पर शानदार प्रदर्शन किया।

लॉन्ग जम्पर विकास की कड़ी मेहनत, लेकिन पदक से रहे दूर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय लॉन्ग जम्पर विकास ने इंडियनऑयल नई दिल्ली 2025 पैरा विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स में पूरी ताक़त झोंक दी, लेकिन पुरुषों की टी47 लॉन्ग जंप फाइनल में वह छठे स्थान पर रहे और पदक से चूक गए। 23 वर्षीय विकास ने तीसरी कोशिश में 6.69 मीटर की छलांग लगाई और अंतिम प्रयास तक 7.00 मीटर पार करने की कोशिश करते रहे। उन्होंने 6.84 मीटर, 6.88 मीटर और 6.96 मीटर की लगातार छलांगें लगाईं, लेकिन कांस्य पदक के लिए तय 7.19 मीटर की दूरी तक नहीं पहुँच सके। उनके साथी अजय सिंह 6.31 मीटर के साथ 10वें स्थान पर रहे। भारत के लिए रविवार का दिन निराशाजनक रहा। एफ57 भाला फेंक में प्रवीन कुमार (41.92 मी.) और हेम चंद्र (41.17 मी.) क्रमशः नौवें और 10वें स्थान पर रहे। वहीं, पुरुषों की 100 मीटर टी37 में राकेशभाई भट्ट (11.88 सेकंड) सातवें और श्रेयांश त्रिवेदी (12.18 सेकंड) आठवें स्थान पर रहे। उद्घाटन दिवस पर भारत ने एक-एक स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीता था, लेकिन दूसरे दिन पदक तालिका में कोई नया इजाफा नहीं हो सका।

इंडियनऑयल नई दिल्ली 2025 पैरा विश्व एथलेटिक्स : काशफाली ने रचा नया विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। नॉर्वे के सलुम एजेज काशफाली ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जारी इंडियनऑयल नई दिल्ली 2025 पैरा विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 100 मीटर टी12 फाइनल में 10.42 सेकंड का समय निकालकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 2021 में बनाए अपने ही 10.43 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा। घुटने की चोट से उबरने के बाद उनकी यह उपलब्धि और भी खास मानी जा रही है।खेले गए अन्य मुकाबलों में स्विट्जरलैंड के दिग्गज मार्सेल हग ने पुरुषों की 5000 मीटर टी54 में 10:03.64 मिनट का नया चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया। वहीं, ग्रेट ब्रिटेन की हन्ना कॉक्रॉफ्ट ने महिलाओं की 400 मीटर टी34 रेस में 55.62 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता और अपना ही मीट रिकॉर्ड तोड़ा।

अमेरिका के जादिन ब्लैकवेल ने पुरुषों की 100 मीटर टी38 में 10.70 सेकंड के साथ नया चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण हासिल किया। आयरलैंड की ओरला कॉमरफोर्ड ने

महिलाओं की 100 मीटर टी13 रेस में 11.88 सेकंड में स्वर्ण जीतकर नया रिकॉर्ड रचा।

ब्राज़ील के रिकार्डो गोम्स डी मेंडोंका ने पुरुषों की 100 मीटर टी37 में 11.16 सेकंड का समय निकालकर चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया। कुल मिलाकर, दिन नए कीर्तिमानों और रोमांचक मुकाबलों के नाम रहा, जिसने पैरा विश्व एथलेटिक्स में दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

दशहरा पर भारत की पहली तीरंदाजी प्रीमियर लीग की शुरुआत, 12 को फाइनल

एजेंसी

नई दिल्ली। दशहरा के अवसर पर दो अक्टूबर को भारत में पहली तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) की शुरुआत होने जा रही है। यह लीग 12 अक्टूबर तक नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। इसमें छह टीमें दो राउंड-रॉबिन चरणों में एक-दूसरे से मुकाबला करेंगी। इसके बाद 12 अक्टूबर को सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। दशहरा के दिन तीरंदाजी प्रीमियर लीग के शुभारंभ पर उत्साह व्यक्त करते हुए लीग के निदेशक अनिल कामिनेनी ने कहा कि एपीएल की शुरुआत के लिए दशहरे से अधिक प्रतीकात्मक और शुभ दिन कोई हो ही नहीं सकता, यह त्योहार भारतीय संस्कृति की गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि तीरंदाजी प्रीमियर लीग महज एक लीग नहीं है, यह भारत की विरासत का उत्सव है, जो ओलंपिक गौरव के दृष्टिकोण से जुड़ा है। प्रतियोगिता में राउंड रॉबिन वन 2 से 6 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें सभी छह टीमें पृथ्वीराज योद्धा (दिल्ली), माइटी मराठा (महाराष्ट्र), काकतीय नाइट्स (तेलंगाना), राजपुताना रॉयल्स (राजस्थान), चेरो आर्चर्स (झारखंड) और चोला चीफ्स (तमिलनाडु) देर शाम को होने वाले मैचों की श्रृंखला में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। राउंड रॉबिन 2 सात से 11 अक्टूबर तक उसी प्रारूप में आयोजित किया जाएगा, जिसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक टीम प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कई मैच खेलेगी। टूर्नामेंट का समापन 12 अक्टूबर को नॉकआउट चरणों के साथ होगा, जिसमें सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले होंगे और पहला तीरंदाजी प्रीमियर लीग चैंपियन घोषित किया जाएगा। नई दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले एपीएल में विश्व स्तरीय प्रतिभाओं का मिश्रण देखने को मिलेगा, जिसमें दीपिका कुमारी और ज्योति सुरेखा वेन्नम जैसी भारत की अग्रणी तीरंदाज विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी माइक श्लोएसर और एंड्रिया बेसेरा, तथा ओलंपियन ब्रैडी एलिसन और एलेजांद्रा वालेंसिया जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगी।

बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हर्षवर्धन

एजेंसी

पटना। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) ने अपने 2025 के पदाधिकारियों के चुनाव के नतीजे घोषित किए, जिसमें हर्षवर्धन को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। बीसीए में इस पद पर आसीन होने वाले 24 वर्षीय हर्षवर्धन सबसे कम उम्र के व्यक्ति बन गए हैं। हर्षवर्धन ने मात्र 24 वर्ष की आयु में बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के सबसे कम उम्र के अध्यक्ष बनकर इतिहास रच दिया है। उनका चुनाव बीसीए के नेतृत्व में एक बड़ा बदलाव है, जो बिहार में क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था में नई ऊर्जा का संचार करता है। हर्षवर्धन ने बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के सबसे युवा अध्यक्ष चुने जाने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान और बड़ी जिम्मेदारी दोनों है। बीसीए के नवनिर्वाचित अध्यक्ष हर्षवर्धन ने कहा, इतनी कम उम्र में यह जिम्मेदारी मिलने पर मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन का सबसे युवा अध्यक्ष होना गर्व और कर्तव्य की भावना दोनों से जुड़ा है। उन्होंने आगे कहा, अपनी टीम के साथ मिलकर हम बिहार क्रिकेट को अगले स्तर तक ले जाने के लिए अथक प्रयास करेंगे। इसके अलावा प्रिया कुमारी को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिली है, जबकि जियाउल आरेफिन सचिव पद की जिम्मेदारी सभालेंगे। अभिषेक नंदन कोषाध्यक्ष और रोहित कुमार संयुक्त सचिव पद का कार्यभार संभालेंगे। परिणाम घोषित होने के साथ ही बाकी सभी पदाधिकारी भी निर्विरोध चुने गए। राजेश कुमार को प्रबंध समिति का सदस्य (जिला प्रतिनिधि) तथा ज्ञानेश्वर गौतम को शासी परिषद का सदस्य चुना गया। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) ने एक बयान में कहा, बिहार क्रिकेट के सभी हितधारकों द्वारा दिखाए गए विश्वास और समर्थन से हम अभिभूत हैं। हमारी सामूहिक प्राथमिकता जमीनी स्तर पर क्रिकेट को मजबूत करना, मजबूत बुनियादी ढांचे का निर्माण करना और राज्य भर में युवा और महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों के लिए अधिक अवसर पैदा करना होगा। हम सब मिलकर बिहार क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चुनाव सेवानिवृत्त आईएएस एम. मोदासिर की देखरेख में आयोजित और घोषित किए गए, जिन्होंने निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्य किया।

11वीं एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिपः श्रीहरि नटराज ने जीते दो रजत पदक

एजेंसी

अहमदाबाद। भारत के युवा तैराक श्रीहरि नटराज ने अहमदाबाद में चल रही 11वीं एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो रजत पदक अपने नाम किए। बेंगलुरु के 24 वर्षीय खिलाड़ी ने पुरुषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल में 1:48.47 सेकंड का समय निकालकर चीन के हैबो जू (1:46.83) से पीछे रहते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, 50 मीटर बैकस्ट्रोक में भी उन्होंने 25.46 सेकंड में रेस पूरी की और चीन के गुकैलाई वांग (25.11 सेकंड) से मामूली अंतर से हारकर रजत पदक हासिल किया। महिलाओं की 200 मीटर फ्रीस्टाइल में भारत की धिनिधि देसिंघु ने 2:02.97 मिनट का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा में वह पाँचवें स्थान पर रहीं। भारत के मुख्य कोच निहार अमीन ने श्रीहरि के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि पहले दिन लगातार दो पदक जीतना ऐतिहासिक है। उन्होंने विश्वास जताया कि श्रीहरि रिले स्पर्धा में भी पदक जीत सकते हैं। कोच ने यह भी बताया कि मध्यम दूरी की फ्रीस्टाइल पर ध्यान केंद्रित करने से श्रीहरि आने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

आईएसएसएफ जूनियर विश्व कपः अनुष्का ठोकुर ने जीता दूसरा स्वर्ण, एड्रियन कर्माकर को रजत पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। जूनियर एशियन चैंपियन अनुष्का ठोकुर ने आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन 2025 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए प्रतियोगिता का दूसरा स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने पहले दिन राइफल प्रोन में स्वर्ण पदक हासिल करने के बाद अब 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन जूनियर महिला स्पर्धा में स्वर्ण पर कब्जा जमाया। नई दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में चौथे दिन खेले गए फाइनल में अनुष्का ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। पुरुषों की जूनियर 3पी स्पर्धा में भारत के एड्रियन कर्माकर ने रजत पदक जीता, जबकि खिताब व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट (एआईएन) दिमित्री पिमेनोव के नाम रहा। एआईएन शूटरों के लिए यह खास दिन रहा, जिन्होंने दोनों फाइनल्स में कुल चार पदक अपने नाम किए। अनुष्का ने फाइनल में 461.0 का स्कोर किया, जिसमें

खड़े होकर शूटिंग करते हुए अपनी 35वीं शॉट पर परफेक्ट 10.9 भी शामिल था। उन्होंने क्वालिफिकेशन में 585-31× स्कोर किया था और फाइनल में 6.1 अंकों की बढ़त के साथ स्वर्ण हासिल की। एआईएन की अनास्तासिया सोरोकीना 454.9 (क्वालिफिकेशनः 580-23×) के साथ रजत पर रहीं, जबकि उनकी साथी मारिया क्रुगलोवा ने 444.0 के स्कोर से कांस्य पदक जीता। एआईएन की ही अनास्तासिया गोरुखोवा चौथे स्थान पर 434.3 अंकों के साथ रहीं।

अन्य फाइनलिस्ट्स में भारत की महित संधू 422.7 के साथ पांचवें, क्रोएशिया की अनामारिजा तुर्क 408.9 के साथ छठे, भारत की प्राची गायकवाड़ 399.3 के साथ सातवें और स्लोवाकिया की कामिला नोवोतना 399.2 के साथ आठवें स्थान पर रहीं। पुरुषों के जूनियर 50 मीटर राइफल थ्री पोज़ीशन फाइनल में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप निंगबो के रजत विजेता एआईएन के दिमित्री पिमेनोव ने 461.0 स्कोर के साथ स्वर्ण जीता। भारत के एड्रियन कर्माकर ने कड़ा मुकाबला किया लेकिन 455.9 अंकों के साथ रजत पर संतोष करना पड़ा। एआईएन के कामिल नुरियाख्मेतोव ने 441.0 के स्कोर से कांस्य हासिल किया।

गुजरात के मुख्यमंत्री ने 11वें एशियाई एक्वाटिक्स चैंपियनशिप का किया उद्घाटन

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद स्थित वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 11वें एशियाई एक्वाटिक्स चैंपियनशिप का भव्य उद्घाटन किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 29 देशों के 1100 खिलाड़ी तैराकी, डाइविंग, वॉटर पोलो और आर्टिस्टिक स्विमिंग में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। यह आयोजन 14 दिनों तक चलेगा और अहमदाबाद को खेल जगत का नया केंद्र स्थापित करने की दिशा में अहम पड़ाव माना जा रहा है। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी राष्ट्रीय खेल नीति से ग्रामीण और युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिला है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दीं। समारोह में लाइट एंड साउंड शो और भारत की विविध

सांस्कृतिक धरोहर पर आधारित नृत्य कार्यक्रम पेश किया गया। गुजरात के खेल मंत्री हर्ष सांघवी ने इसे भारत के 2036 ओलंपिक मेज़बानी के सपने की ओर अहम कदम बताया। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष ने भविष्य में भारत में फीना वर्ल्ड एक्वाटिक्स चैंपियनशिप लाने की इच्छा जताते हुए अहमदाबाद में 10,000 दर्शकों की क्षमता वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्विमिंग स्टेडियम के निर्माण काम किया।

अरुण धूमल को फिर मिली आईपीएल गवर्निंग काउंसिल में जिम्मेदारी

एजेंसी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट ऐसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व मौजूदा समय में डायरेक्टर अरूण सिंह धूमल अब आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के दूसरी बार चैयरमेन बन गए हैं। मुम्बई में हुई बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में हुए निर्णयों में शामिल है। अरुण धूमल के भाई सांसद अनुराग सिंह ठाकुर एचपीसीए और बीसीसीआई में भी सबसे युवा अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर चुके हैं। वहीं, अरूण धूमल लंबे समय से बीसीसीआई में कोषाध्यक्ष और उसके बाद आईपीएल गवर्निंग कांउसिल के चैयरमेन रहे हैं। इस बार भी अरुण धूमल को आईपीएल गवर्निंग कांउसिल का चैयरमेन नियुक्त किया गया है, जिसमें दो पदाधिकारी शामिल रहेंगे। वहीं, हिमाचल के हमीरपुर जिला से संबंध रखने वाले अरूण के आईपीएल का जिम्मा संभालने पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला को इस बार भी अधिक मैच मिलने की उम्मीद जग गई है। गौरतलब है कि इससे पहले भी एक दशक के बाद धर्मशाला में आईपीएल के मैच होने शुरू हुए थे, जिसके बाद लगातार पिछले तीन सीजन से धर्मशाला में आईपीएल के दो से तीन मुकाबले खेले जा रहे हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश क्रिकेट ऐसोशिएशन की नई कार्यकारिणी का भी अब जल्द ही गठन किया जाएगा।

भारतीय महिला हॉकी कप्तान सलीमा टेटे ने फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल पहल को सराहा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रत्येक भारतीय नागरिक को फिट और स्वस्थ बनाने के प्रयास को जारी रखते हुए युवा मामले और खेल मंत्रालय ने देश भर में 5000 स्थानों पर 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया। राजधानी दिल्ली 800 लोगों के साइकिल चलाने के साथ भागीदारी के मामले में अग्रणी रही। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग से 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 42वें संस्करण का आयोजन किया गया। नई दिल्ली में इस कार्यक्रम को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुमन चौहान ने सुबह 7 बजे मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें 800 से अधिक साइकिल चालक और फिटनेस प्रेमी शामिल हुए। दिल्ली में यह कार्यक्रम राहगीरी फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया। महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे के साथ मिडफील्डर निक्की प्रधान, पर्वतारोही निशा कुमारी और स्पीड स्केटिंग विश्व चैम्पियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता कृष शर्मा भी साइकिलिंग अभियान में शामिल हुए। सलीमा टेटे ने संडेज ऑन साइकिल पहल की सराहना

की। उन्होंने कहा, मैं संडेज ऑन साइकिल पहल का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। फिटनेस के प्रति हर उम्र के लोगों में उत्साह और उमंग देखना एक शानदार अनुभव था। मैं इसके आयोजन के लिए सरकार को धन्यवाद देना चाहती हूं। पूरे देश के लिए एक सक्रिय जीवनशैली अपनाना जरूरी है। चाहे आप व्यायाम करें या साइकिल चलाएं, फिटनेस के लिए किसी न किसी शारीरिक गतिविधि में शामिल होना जरूरी है। फिटनेस को बेहतर बनाने के लिए घर पर या बाहर, रोजाना 20-30 मिनट का समय निकालना जरूरी है। स्पीड स्केटर कृष शर्मा ने कहा कि दौड़ना, साइकिल चलाना और अच्छी डाइट, बेहतरीन फिटनेस बनाए रखने के लिए जरूरी हैं। पर्वतारोही निशा कुमारी ने कहा कि मैंने इस आयोजन के तहत गुजरात में दो बार साइकिल चलाई। आज मैंने नई दिल्ली में साइकिल चलाई और मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि युवाओं ने इस साइकिलिंग अभियान में कितने उत्साह से भाग लिया। लोगों को अपनी फिटनेस के लिए कम से कम 30 मिनट का समय अवश्य निकालना चाहिए। अगर हम अपनी फिटनेस पर ध्यान दें, तो हम प्रदूषण और मिलावटी खाने से होने वाली किसी भी बीमारी से खुद को बचा सकते हैं।

दुनियाभर के पेशेवरों को कनाडा बुलाने की तैयारी में पीएम कार्नी, कहा- जल्द बढ़िया स्कीम लाएंगे

एजेंसी

ओटावा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से एच-1बी वीजा की फीस 1 लाख डॉलर करने के चलते कई स्किल्ड वर्कर्स (कुशल श्रमिक) का वहां जाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में कनाडा इस हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने लंदन में पत्रकारों से कहा कि वह अमेरिका में काम करने वाले टेक्नोलॉजी सेक्टर के उन लोगों को कनाडा बुलाना चाहते हैं, जो अब वीजा फीस बढ़ने से मुश्किल में पड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि कनाडा जल्द अपनी आव्रजन नीति की समीक्षा कर रही है और ऐसे कुशल लोगों को अपने यहां बुलाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, उनकी सरकार जल्द ही एक बढ़िया स्कीम लाएगी, जिससे कुशल पेशेवर को कनाडा में आने की सुविधा होगी। टोरंटो की फर्म पैसेज के सीईओ मार्टिन बसिरी के मुताबिक वे लोग जो एच-1बी के जरिये अमेरिका आने की योजना बना रहे थे अब कनाडा का रुख करेंगे। मध्यम रेंज वाले व्यापारी, जो 1 लाख डॉलर का टैक्स नहीं चुका सकते, वे कनाडा में अपना ऑफिस खोल सकते हैं। अब कनाडा के पास मौका है कि इन हाई स्किल्ड लोगों के लिए वह नई स्कीम लेकर आए।

एनटीपीसी ने वित्त वर्ष 2025 के लिए सरकार को 3248 करोड़ रुपये का अंतिम लाभांश सौंपा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतिम लाभांश के रूप में ऊर्जा मंत्रालय को 3,248 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। कंपनी के बयान के अनुसार एनटीपीसी के सीएमडी गुरदीप सिंह ने निदेशक मंडल के साथ 25 सितंबर को सचिव (विद्युत) पंकज अग्रवाल की मौजूदगी में ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल को अंतिम लाभांश सौंपा। यह क्रमशः नवंबर 2024 और फरवरी 2025 में दिए गए 2,424 करोड़ रुपये के पहले अंतरिम लाभांश और 2,424 करोड़ रुपये के दूसरे अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है।वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भुगतान किया गया कुल लाभांश 8,096 करोड़ रुपये है, जो 10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 8.35 रुपये की दर से होगा। यह लगातार 32वां वर्ष है जब एनटीपीसी लिमिटेड ने लाभांश का भुगतान किया है। लगभग 84,000 मेगावाट की विद्युत उत्पादन क्षमता के साथ एनटीपीसी समूह भारत की सबसे बड़ी बिजली कंपनी है।

मुथूट फिनकॉर्प पर 2.7 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। आंतरिक लोकपाल से जुड़े कुछनियमों के उल्लंघन पर आरबीआई ने मुथूट फिनकॉर्प लि. पर 2.7 लाख का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने कहा, 31 मार्च, 2024 तक कंपनी की वित्तीय स्थिति के वैधानिक निरीक्षण के बाद नोटिस जारी किया गया था। नोटिस पर कंपनी के जवाब पर विचार करने के बाद आरोप सही साबित हुए। इसलिए, कंपनी पर जुर्माना लगाया गया है।

अमेरिका से 196000 से अधिक वाहन वापस बुलाएगी बीएमडब्ल्यू

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू इंजन में खराबी के बाद अमेरिका से अपने 1,96,000 से ज्यादा वाहनों को वापस बुलाएगी। इंजन में खराबी के कारण इसमें जंग लगने की समस्या से ओवरहीटिंग और शॉर्ट सर्किट हो सकता है। इससे आग लगने का खतरा बढ़ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात सुरक्षा प्रशासन ने कहा कि इसके चलते टोयोटा सुप्रा और 2022 बीएमडब्ल्यू 230 आई वाहनों सहित कई मॉडलों पर प्रभाव पड़ेगा।

सौर ऊर्जा कंपनी वॉरी की अमेरिका में जांच

नई दिल्ली। अमेरिकी सीमा शुल्क अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या भारतीय सौर ऊर्जा कंपनी वारी एनर्जीज ने चीन में निर्मित सेल और पैनलों पर अमेरिकी टैरिफ से बचने के लिए उन्हें भारत में निर्मित बताकर उन पर शुल्क लगाया है। अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा ने वॉरी और अमेरिकन अलायंस फॉर सोलर मैन्युफैक्चरिंग ट्रेड कमेटी के वकीलों को एक ज्ञापन में इस जांच का खुलासा किया।

ब्रिक्स समर्थित बैंक मार्च तक लाएगा रुपया आधारित बॉन्ड

नई दिल्ली। ब्रिक्स देशों के समर्थित न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) मार्च के अंत से पहले घरेलू बाजार में पहला भारतीय रुपया मूल्यवर्गित बॉन्ड जारी कर सकता है। इस योजना के लिए आरबीआई के साथ बात हो रही है। एनडीबी ने पहले चीनी युआन व दक्षिण अफ्रीकी रैंड मुद्रा में धन जुटाया है। बैंक पहली किस्त में 3-5 साल के बॉन्ड से 40 करोड़ डॉलर से 50 करोड़ डॉलर की रकम जुटा सकता है। यह योजना ऐसे समय में आई है जब चीन व भारत अपनी मुद्राओं की अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं व निवेशक विकसित बाजारों से परे अपनी परिसंपत्तियों में विविधता लाने की कोशिश कर रहे हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में चीन ने हांगकांग में युआन बॉन्ड के विकास का समर्थन करने के लिए उपाय शुरू किए। एनडीबी के मुख्य वित्तीय अधिकारी मोनाले रत्सोमा ने कहा, एनडीबी भारत सरकार और नियामकों के साथ मिलकर भारतीय परियोजनाओं के लिए स्थानीय मुद्रा में वित्त पोषण प्रदान करने हेतु स्थानीय बाजारों से धन जुटाने की संभावनाओं पर काम कर रहा है।

प्राइमरी मार्केट में बढ़ेगी हलचल, अगले सप्ताह खुलेंगे 20 नए आईपीओ

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में जबरदस्त हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह कम से कम 20 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से 4 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष 16 आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुए 14 आईपीओ में भी इस सप्ताह बोली लगाई जा सकेगी। इस सप्ताह नए आईपीओ की बमबारी होने के साथ ही लिस्टिंग के मोर्चे पर भी जमकर हलचल रहने वाली है। सोमवार से शुरू हो रहे इस सप्ताह 26 कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगे। इनमें से सिर्फ 30 सितंबर को ही 9 कंपनियों के और 1 अक्टूबर को 8 कंपनियों के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाले हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 29 सितंबर को मेनबोर्ड सेगमेंट में ग्लॉटिस लिमिटेड का 307 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। ये आईपीओ 1 अक्टूबर को बंद होगा। आईपीओ में आवेदन करने के लिए 120 रुपये से लेकर 129 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 114 शेयर का है। ग्लॉटिस लिमिटेड के शेयर बीएसई और एनएसई पर 7 अक्टूबर को लिस्ट हो सकते हैं। इसी दिन मेनबोर्ड सेगमेंट का ही ओम फ्रेट फॉरवार्डर्स का 122.31 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। ये आईपीओ भी 3 अक्टूबर को बंद होगा। आईपीओ में आवेदन करने के लिए 128 रुपये से लेकर 135 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 111 शेयर का है। ओम फ्रेट फॉरवार्डर्स के शेयर बीएसई और एनएसई पर 8 अक्टूबर को लिस्ट हो सकते हैं। 29 सितंबर को ही फैबटेक टेक्नोलॉजीज का 230.35 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। ये आईपीओ 1 अक्टूबर को बंद होगा। आईपीओ में आवेदन करने के लिए 181 रुपये से लेकर 191 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 75 शेयर का है। फैबटेक टेक्नोलॉजीज के शेयर बीएसई और एनएसई पर 7 अक्टूबर को लिस्ट हो सकते हैं। मेनबोर्ड सेगमेंट के अलावा एसएमई सेगमेंट का ढिल्लन फ्रेट कैरियर का 10.08 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। ये आईपीओ 1 अक्टूबर को बंद होगा। इस इश्यू में आवेदन करने के लिए 72 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। ढिल्लन फ्रेट कैरियर के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 7 अक्टूबर को लिस्ट हो सकते हैं।

ओम मेटालॉजिक का 25.35 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। ये आईपीओ 1 अक्टूबर को बंद होगा। इस इश्यू में आवेदन करने के लिए 86 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। ओम मेटालॉजिक के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 7 अक्टूबर को लिस्ट हो सकते हैं। 29 सितंबर को ही विजय पीडी स्यूटिकल्स का 19.25 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है।

अब विदेश से यूरेनियम का खनन करेगा भारत?

एजेंसी

नई दिल्ली। ऊर्जा कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड अब परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए जरूरी यूरेनियम की सप्लाई सुनिश्चित करने के कदम उठा रही है। इसके तहत कंपनी विदेशों में यूरेनियम खदानों की पहचान करने के लिए एक सलाहकार नियुक्त करेगी। यह कदम यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद उठाया जाएगा।

भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया फैसला

कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह फैसला एनटीपीसी के भविष्य के स्वतंत्र परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं को कच्चा माल उपलब्ध कराने की योजना का हिस्सा है। अभी एनटीपीसी का फोकस न सिर्फ थर्मल और सोलर ऊर्जा पर है, बल्कि वह परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है।

राजस्थान में 42000 करोड़ का परमाणु प्रोजेक्ट

फिलहाल एनटीपीसी, न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के साथ ज्वाइंट वेंचर के तहत राजस्थान में एक बड़ा परमाणु ऊर्जा प्रोजेक्ट स्थापित कर रही है। इस प्रोजेक्ट में एनटीपीसी की 49फीसदी हिस्सेदारी होगी, जबकि एनपीसीआईएल की 51फीसदी हिस्सेदारी रहेगी। इस प्रोजेक्ट का कुल निवेश लगभग 42000 करोड़ रुपये है। इसका नाम माही बांसवाड़ा राजस्थान एटॉमिक पावर प्रोजेक्ट (एमबीआरएपीपी) रखा गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में बांसवाड़ा में इस परियोजना की आधारशिला रखी। यह परियोजना अनुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड नाम के संयुक्त उद्यम (जेवी) कंपनी के जरिए स्थापित की जा रही है। एनटीपीसी के सीएमडी गुरदीप सिंह ने हाल ही में बताया कि कंपनी भविष्य में स्वतंत्र परमाणु परियोजनाएं स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है। इसके लिए कंपनी कई न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी प्रदाताओं और राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही है। इससे एनटीपीसी को अपने ऊर्जा पोर्टफोलियो को और विविध बनाने का मौका मिलेगा।

वित्तीय सेवा विभाग ने एमसीएमपी के साथ पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफसी) ने उच्चतम न्यायालय के मध्यस्थ एवं सुलह परियोजना समिति (एमसीएमपी) के साथ मिलकर ऋण वसूली न्यायाधिकरणों के पीठासीन अधिकारियों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए राजधानी में मध्यस्थता विषय पर पांच दिन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। वित्त मंत्रालय की की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार 24-28 सितंबर तक 40 घंटे के इस कार्यक्रम के दौरान मध्यस्थता की अवधारणा, न्यायिक प्रक्रिया और विभिन्न एडीआर प्रक्रियाओं के बीच तुलना, मध्यस्थता में बातचीत और सौदेबाजी आदि विषयों पर चर्चा की गयी।न्यायालय के एनेक्सी भवन परिसर में आयोजित यह कार्यक्रम वर्तमान समय में विवाद समाधान तंत्र के महत्व को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से प्रशिक्षण के उद्देश्य से रखा गया था। मध्यस्थता को आपसी सहमति से विवादों को सुलझाने के लिए एक प्रभावी पद्धति के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। विज्ञप्ति में बताया गया है कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मध्यस्थता की अवधारणा, न्यायिक प्रक्रिया और विभिन्न एडीआर प्रक्रियाओं के बीच तुलना, प्रक्रिया, मध्यस्थों के चरण और भूमिका, मध्यस्थता में संचार के तरीके, साथ ही मध्यस्थता में बातचीत और सौदेबाजी सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मध्यस्थता में विभिन्न हितधारकों, जैसे रेफरल न्यायाधीशों, वकीलों और पक्षों की भूमिका पर भी चर्चा की गई, जिसमें ऋण वसूली और दिवालियापन (आरडीबी) अधिनियम, 1993 और एसएआरएफएईएसआई अधिनियम, 2002 के तहत डीआरटी के पीठासीन अधिकारियों द्वारा विचारित और विचारित मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में शामिल किए गए विषयों पर संतुष्टि व्यक्त की और वित्तीय सेवा विभाग तथा न्यायालय की एमसीएमपी के प्रति सराहना व्यक्त की।

वित्त मंत्रालय
MINISTRY OF
FINANCE
सत्यमेव जयते

ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के दिशानिर्देश जारी, सरकार पीएम ई-ड्राइव के तहत दे रही सुविधा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पीएम ई-ड्राइव योजना (PM E-DRIVE) के तहत देशभर में लगभग 72,300 सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन (EV) चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का एलान किया है। अब इनके संचालन से जुड़े दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। इस योजना पर कुल सरकार 10,900 करोड़ रुपये खर्च करेगी। 2,000 करोड़ रुपये विशेष रूप से चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने पर खर्च किए जाएंगे। दिशानिर्देशों के अनुसार चार्जिंग के इंफ्रास्ट्रक्चर को और बेहतर बनाने के लिए 'सब्सिडी की संरचना' अपनाई जाएगी। सरकारी परिसर (कार्यालय, आवासीय परिसर, अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान आदि) में चार्जिंग स्टेशन लगाने पर 100फीसदी सब्सिडी दी जाएगी। बशर्ते वे जनता के लिए मुफ्त उपलब्ध हों। सरकार या पीएसयू के स्वामित्व/नियंत्रण वाली जगहों पर 80फीसदी लागत (अपस्ट्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर) और 70फीसदी लागत (ईवी चार्जिंग उपकरण) सब्सिडी के रूप में मिलेगी। इन जगहों में रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे - AAI द्वारा संचालित, सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों के पेट्रोल पंप, राज्य परिवहन उपक्रमों के बस अड्डे, मेट्रो स्टेशन, नगर निगम की पार्किंग, सरकारी बंदरगाह, NHAI या राज्य सरकार नियंत्रित टोल प्लाजा और हाईवे/एक्सप्रेसवे पर वे-साइड सुविधाओं को शामिल किया गया है।

शहरों की सड़कें, मॉल, मार्केट कॉम्प्लेक्स, हाईवे और एक्सप्रेसवे जैसी अन्य जगहों पर भी अपस्ट्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर लागत पर 80फीसदी सब्सिडी मिलेगी। बैटरी स्वैपिंग स्टेशन/बैटरी चार्जिंग स्टेशन पर भी अपस्ट्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर लागत का 80फीसदी सब्सिडी मिलेगी। सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार, केंद्र और राज्य/केंद्रशासित प्रदेश सरकारों के मंत्रालय भी चार्जिंग स्टेशन लगा सकेंगे। इन्हें नोडल एजेंसियां नियुक्त करनी होंगी। मांग आने पर ये लोग भारी उद्योग मंत्रालय को प्रस्ताव भेजेंगे। ये एजेंसियां उच्च प्राथमिकता वाली जगहों की पहचान कर ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से एकीकृत प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगी।

भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) को इस परियोजना के लिए प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन एजेंसी (PIA) बनाया गया है। सब्सिडी दो चरणों में मिलेगी। पहला चरण अनुपालन मानदंड पूरे करने का, जबकि दूसरा प्रदर्शन मानकों को पूरा करने का है। इस योजना के तहत सरकार का मुख्य ध्यान एक मिलियन से अधिक आबादी वाले शहरी केंद्रों, स्मार्ट सिटी, मेट्रो से जुड़े सैटेलाइट शहरों, राज्य की राजधानियों और घनी आबादी वाले राष्ट्रीय/राज्य राजमार्गों पर रहेगा।

सर्राफा बाजार में 1.06 लाख रुपये के स्तर पर पहुंचा 22 कैरेट सोना, चांदी हुई सस्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का सिलसिला जारी है। आज सोना 540 रुपये लेकर 590 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है, तो चांदी आज 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है। सोने की कीमत में हुई बढ़ोतरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,15,480 रुपये से लेकर 1,15,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,05,850 रुपये से लेकर 1,06,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। भाव में गिरावट आने के कारण चांदी धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,41,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 4,150 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की उछाल दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 3,780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। सोने की तरह ही पूरे सप्ताह के कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच चांदी के भाव में साप्ताहिक आधार पर 8,900 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती आ गई है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,15,630 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,06,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,15,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,05,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,15,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,05,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,15,480 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,05,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,15,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,05,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,15,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,06,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,15,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,05,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

काउंटिंग विभाग में 10 वर्ष से चल रहा था गड़बड़ी का खेल

एजेंसी

मुंबई। अइंडसइंड बैंक में अकाउंटिंग में गड़बड़ी का खेल पिछले 10 साल से चल रहा था। यह खुलासा बैंक के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी यानी सीएफओ और व्हिसलब्लोअर गोबिंद जैन ने किया है। जैन ने मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के सामने दावा किया कि बैंक के डेरिवेटिव्स पोर्टफोलियो में अकाउंटिंग की गड़बड़ी 2015 से चली आ रही है। पुलिस ने इसी सप्ताह जैन और डिप्टी सीईओ अरुण खुराना का बयान दर्ज किया था।जैन ने कहा, तत्कालीन बोर्ड, वरिष्ठ प्रबंधन और पूर्व फाइनेंस प्रमुख एसवी जरेगांवकर को अकाउंटिंग की गड़बड़ी की जानकारी थी। इस वजह से जैन ने चार बार इस्तीफा दे दिया था। जैन ने सबसे पहले जून,2024 में इस्तीफा सौंपा था लेकिन वह मंजूर नहीं हुआ। इसके बाद 3 और बार इस्तीफा दिया। आखिरकार इस साल जनवरी में इस्तीफा मंजूर हुआ। उन्होंने बार-बार उस समय के एमडी और सीईओ सुमंत कठपालिया से अपील की थी कि स्वतंत्र ऑडिटर नियुक्त कर मामले की जांच कराई जाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो बैंक को गंभीर नुकसान हो सकता है। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 24 सितंबर को अकाउंटिंग चूक की जांच के संबंध में बैंक के पूर्व सीईओ सुमंत कठपालिया का बयान दर्ज किया। इंडसइंड बैंक को लेकर अनिश्चितता तब शुरू हुई, जब इस साल मार्च में बैंक ने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो से जुड़ी अकाउंटिंग चूक की जानकारी दी। 10 मार्च को बैंक ने खुलासा किया कि डेरिवेटिव्स लेन-देन में गड़बड़ी के कारण उसे 1,577 करोड़ रुपये का झटका लग सकता है। कई ऑडिट के बाद बैंक ने मार्च तिमाही के नतीजों में करीब 2,000 करोड़ रुपये का एकमुश्त घाटा दर्ज किया। 27 मई को सेबी ने एक अंतरिम आदेश जारी किया। इसके मुताबिक, बैंक प्रबंधन को डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में अकाउंटिंग की गड़बड़ियों के बारे में बैंक द्वारा स्टॉक एक्सचेंजों को बताए जाने से 15 महीने पहले ही पता चल गया था।

उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी ने दिखायी मज़बूत व्यावसायिक संभावना: फियो

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा में आयोजित उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी-2025 में राज्य की मज़बूत व्यावसायिक संभावनाएं दिखी हैं और इसमें 1000 से अधिक एमओयू हस्ताक्षरित किये गये हैं ।

निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो ने एक विज्ञप्ति में बताया कि प्रदर्शनी के चौथे दिन तक 400 करोड़ रुपये की व्यापारिक पूछताछ दर्ज की गई थी। इस प्रदर्शनी में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, केन्या, युगांडा, लेबनान सहित 88 देशों की भागीदारी दिखाई है और 2000 से अधिक घरेलू विक्रेताओं ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया है। प्रदर्शनी के चौथे दिन तक 1800 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खरीदार-विक्रेता बैठकें हुई जिनमें 6.1 करोड़ डॉलर (400 करोड़ रुपये) के व्यावसायिक पौधों के बारे में बातचीत की गई है। फियो का कहना है कि है कि तीसरा उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो (यूपीआईटीएस) 2025 का तीसरा संस्करण वैश्विक व्यापार मेल-मिलाप में नए मानक स्थापित करता जा रहा है। चौथे दिन तक, इस आयोजन ने विदेशी खरीदारों और भारतीय विक्रेताओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया देखी, जिसके परिणामस्वरूप 1000 से अधिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए और 400 करोड़ रुपये की व्यापारिक पूछताछ उत्पन्न हुई। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) प्रदर्शनी ने अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों से महत्वपूर्ण रुचि दिखायी है, जिससे उत्तर प्रदेश की स्थिति एक अनूठे, उच्च गुणवत्ता वाले और विविध उत्पादों के केंद्र के रूप में और मजबूत हुई है।

FIEO FEDERATION OF INDIAN EXPORT ORGANISATIONS
Set up by Ministry of Commerce, Government of India

आरबीआई की अगली मौद्रिक नीति समिति की बैठक एक अक्तूबर को, रेपो रेट में कटौती या स्थिरता पर फैसला संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेपो रेट को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक एक अक्तूबर को होगी। माना जा रहा है कि इस बैठक में रेपो रेट को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। इस बार एसबीआई की एक रिपोर्ट ने 25 बेसिस पॉइंट्स (बीपीएस) की कटौती का सुझाव दिया है, जबकि कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि आरबीआई मौजूदा रेट को बरकरार रख सकता है।इस साल फरवरी से अगस्त तक आरबीआई ने तीन बार मिलाकर कुल 100 बेसिस पॉइंट की कटौती की है, क्योंकि महंगाई दर कम हो रही है। अगस्त में आरबीआई ने एक बार फिर रेट में कोई बदलाव नहीं किया था और अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक तनावों का असर देखने की नीति अपनाई थी। एसबीआई की रिपोर्ट कहती है कि खुदरा महंगाई अगले वित्त वर्ष भी कम रहने की उम्मीद है, इसलिए 25 बीपीएस की कटौती सही कदम होगा।

वहीं, बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस का कहना है कि फिलहाल रेट में बदलाव की संभावना कम है और सरकार के निर्यातकों के लिए कोई पैकेज आने पर ही कटौती हो सकती है। आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने बताया कि जीएसटी के नए दो-स्तरीय ढांचे से महंगाई कम होगी, लेकिन इसके बावजूद एमपीएस अक्तूबर में स्थिरता बरकरार रखेगा। Crisil के धर्मकीर्ति जोशी का मानना है कि महंगाई कम होने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दरों में कटौती के कारण आरबीआई को रेट कम करने की गुंजाइश है। इसके साथ ही एसबीएम बैंक के मंडर पितले ने कहा कि एमबीसी शायद मौजूदा रेट पर कायम रहेगा और दिसंबर में स्थिति के आधार पर बदलाव कर सकता है। आरबीआई की हालिया रिपोर्ट में भी कहा गया है कि फरवरी से अगस्त के दौरान 100 bps की कटौती का असर बैंकिंग प्रणाली में अच्छी तरह पहुंचा है। कुल मिलाकर, आरबीआई की अगली बैठक में दरों को लेकर सतर्कता और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों का ध्यान रखा जाएगा।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र में भारत ने की है जबरदस्त प्रगति: गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि बुनियादी ढांचा किसी भी देश की वृद्धि की रीढ़ है और भारत ने इस क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति की है। गडकरी ने यहां 'भारत अवसंरचना शिखर सम्मेलन 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क अवसंरचना देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। इसमें पांच लाख करोड़ रुपए के निवेश से 10,000 किलोमीटर लंबे 25 नए एक्सप्रेसवे का विकास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''बुनियादी ढांचा किसी भी देश की वृद्धि की रीढ़ होता है और भारत ने इस क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति की है। हम सड़क निर्माण में शहरी कचरे का इस्तेमाल करके और हरित ईंधन, इलेक्ट्रिक वाहनों एवं 'स्क्रैपिंग' नीति को बढ़ावा देकर नवाचार कर रहे हैं। गडकरी ने कहा, ''हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है..विकास एवं पर्यावरण को साथ-साथ चलना होगा। तीन 'पी'- पीपल (लोग), प्रॉस्पेरिटी (समृद्धि) और प्लेनेट (ग्रह) के मार्गदर्शन में हमारा लक्ष्य एक सुरक्षित, हरित और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी भारत का निर्माण करना है।' इस कार्यक्रम में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के मुख्य महाप्रबंधक सुनील जिंदल ने कहा कि पिछले दशक में एनएचएआई ने नई ऊंचाइयों को छुआ है।

देश की टॉप 10 कंपनियों के कुल मार्केट कैप में 2.99 लाख करोड़ से अधिक गिरावट

एजेंसी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों के मार्केट कैप में 2.99 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। इस सप्ताह बिकवाली का दबाव इतना अधिक रहा कि टॉप 10 में शामिल किसी भी कंपनी के मार्केट कैप में बढ़ोतरी नहीं हो सकी। लगातार हुई बिकवाली के कारण सभी दस कंपनियों का कुल मार्केट कैप 2,99,661.36 करोड़ रुपये घट गया। 22 सितंबर से 26 सितंबर के बीच हुए कारोबार के दौरान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 97,597.91 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 10,49,281.56 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 40,462.09 करोड़ रुपये घट कर 18,64,436.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप में तीसरी सबसे बड़ी गिरावट इंफोसिस मे आई। इंफोसिस का मार्केट कैप 38,095.78 करोड़ रुपये लुढ़क कर 6,01,805.25 करोड़ रुपये के स्तर तक गिर गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 33,032.97 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 14,51,783.29 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 29,646.78 करोड़ रुपये गिर कर 9,72,007.68 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 26,030.11 करोड़ रुपये फिसल कर 10,92,922.53 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 13,693.62 करोड़ रुपये घट कर 5,51,919.30 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 11,278.04 करोड़ रुपये कम होकर 5,89,947.12 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 4,977.99 करोड़ रुपये फिसल कर 6,12,914.73 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 4,846.07 करोड़ रुपये की कमी के साथ 7,91,063.93 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 18,64,436.42 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,51,783.29 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,92,922.53 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 10,49,281.56 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,72,007.68 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,91,063.93 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 6,12,914.73 करोड़ रुपये) इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,01,805.25 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,89,947.12 करोड़ रुपये) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (कुल मार्केट कैप 5,51,919.30 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

आमेरिका के पेंसिल्वेनिया में बतुकम्मा उत्सव का आयोजन

एजेंसी

पेंसिल्वेनिया। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में हैरिसबर्ग तेलुगु एसोसिएशन (एचटीए) के तत्वावधान में बतुकम्मा उत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। भुवनगिरी (तेलंगाना) सीट से सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी इस उत्सव में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए और वहाँ उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सात समंदर पार करने के बाद भी तेलुगु समुदाय एकजुट है और अपनी संस्कृति और परंपराओं को दुनिया के सामने गर्व से प्रदर्शित करता है। श्री चमाला ने अमेरिका में रहने वाले तेलुगु समुदाय द्वारा भारत में अपने गांव या शहर लौटने पर सामना की जाने वाली समस्याओं से निपटने के लिए एक बेहतर व्यवस्था बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के समक्ष उठाएंगे और एक उपयुक्त समाधान की दिशा में काम करेंगे। सांसद ने कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए हैरिसबर्ग तेलुगु एसोसिएशन का आभार व्यक्त किया और इसके सदस्यों के साथ एक रात्रिभोज में भी शामिल हुए।हैरिसबर्ग तेलुगु एसोसिएशन के अध्यक्ष काकरला श्रीनिवास, सचिव मुनि कुमार गिला, विबिशन रेड्डी, वेन्नम श्री राम रेड्डी, चंद्र संदादी, कटला राजू और अन्य लोगों ने इस उत्सव में भाग लिया।

चीन में आगामी छुट्टियों में 2.36 अरब यात्री की यात्राएं होने की उम्मीद

बीजिंग। चीन के परिवहन मंत्रालय ने कहा है कि बुधवार से शुरू हो रहे आठ दिवसीय राष्ट्रीय दिवस और मध्य-शरद उत्सव की छुट्टियों के दौरान देशभर में लगभग 2.36 अरब यात्री यात्राएं होने की उम्मीद है। परिवहन उप मंत्री ली यांग ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा,यात्रा की मांग जोरदार रहने वाली है, भले ही वह पर्यटन के लिए हो या पारिवारिक यात्राओं के लिए। श्री ली का अनुमान है कि इस छुट्टियों की अवधि में दैनिक औसत यात्राएं 29.5 करोड़ होंगी, जो 2024 की इसी अवधि की तुलना में 3.2 प्रतिशत अधिक है। इनमें से लगभग 80 प्रतिशत यात्राएं विशेष रूप से निजी वाहनों द्वारा की जाएंगी। श्री ली ने कहा कि व्यस्त अवधि के दौरान एक्सप्रेसवे पर यातायात प्रतिदिन 7 करोड़ वाहनों को पार कर सकती है, जिसमें नए ऊर्जा वाहनों की संख्या 1.4 करोड़ होगी। इस बीच एयरलाइनें छुट्टियों के दौरान 1.92 करोड़ यात्री यात्राएं करेंगी, जो साल-दर-साल 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है और इस अवधि के लिए दर्ज किया गया उच्चतम स्तर है। ली ने कहा कि पर्यटन में तेजी के चलते मध्यम और लंबी दूरी की यात्राओं में वृद्धि होगी।

ईरान पर संयुक्त राष्ट्र के छह प्रतिबंध फिर से लागू

वाशिंगटन। ईरान पर संयुक्त राष्ट्र के छह प्रतिबंध दस वर्षों के बाद आधी रात फिर से लागू हो जाएंगे। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक्स पर लिखी एक पोस्ट में कहा, संयुक्त राष्ट्र के छह प्रस्तावों को फिर से सक्रिय कर दिया गया है, जो ईरान के परमाणु संवर्धन पर प्रतिबंध लगाते हैं। उल्लेखनीय है कि फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी ने ईरान पर अपने परमाणु कार्यक्रमों का लगातार विस्तार करने और सहयोग न करने का आरोप लगाते

हुए 2015 के परमाणु समझौते के 'स्नैपबैक मैकेनिज्म' को फिर से सक्रिय कर दिया है। इन प्रतिबंधों के तहत हथियारों पर प्रतिबंध, संपत्ति जब्ती, यात्रा प्रतिबंध, परमाणु, मिसाइल और बैंकिंग आदि पर प्रतिबंध शामिल है उल्लेखनीय है कि जून में इजरायल द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद ईरान ने अपने परमाणु स्थल के निरीक्षण की अनुमति देने से मना कर दिया था। वर्ष 2015 का परमाणु समझौता ईरान और अमेरिका, रुस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी के बीच हुआ था, जिसके तहत ईरान पश्चिमी देशों के प्रतिबंध हटाने के बदले अपने परमाणु कार्यक्रमों को रोकने पर सहमत हुआ था।

कांगो में इबोला प्रकोप से 42 लोगों की मौत

किंशासा। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) के कसाई प्रांत में इबोला विषाणु संक्रमण के कारण 64 दर्ज मामलों में से 42 लोगों की मौत हो गयी है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों में इसकी जानकारी दी। इसे देखते हुए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने 'वैश्विक स्तर पर रोकथाम' का आह्वान किया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार प्रांतीय संचार एवं मीडिया मंत्री बाज़िन पेम्बे ने कहा कि 26 सितंबर को दर्ज हुए 64 मामलों (जिनमें 53 पुष्ट और 11 संभावित मामले हैं) में से 42 लोगों की मौत हो गयी है। इन 42 में से 31 पुष्ट मामले हैं। कांगो सरकार ने चार सितंबर को इसे प्रकोप घोषित कर दिया था, जो देश का 16वां इबोला प्रकोप है। 1976 में पहली बार कांगों में इस विषाणु का पता चला था। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने कहा कि कसाई क्षेत्र देश के सबसे नाजुक क्षेत्रों में से एक है, जो कमजोर स्वास्थ्य प्रणाली, सुरक्षित पानी तक सीमित पहुंच, दवाओं की कमी और गंदगी का सामना कर रहा है। कांगो में यूनिसेफ के प्रतिनिधि जॉन एगबोर ने एक बयान में कहा कि इस तरह के प्रकोप हमें यह भी याद दिलाते हैं कि वैश्विक तैयारी और तत्काल प्रतिक्रिया भी कितनी महत्वपूर्ण है।

यूक्रेन के मुद्दे पर सख्त दिखे लावरोव, बोले-रूस पर हर हमले का दिया जाएगा मुंहतोड़ जवाब

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। रूस और यूक्रेन में साल 2022 से युद्ध जारी है। इस बीच रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम बहस को संबोधित करते हुए रूस के खिलाफ साजिश करने वाले देशों को चेतावनी दी। साथ ही उन्होंने यूक्रेन पर हमले रोकने के लिए शर्तें रख दीं।

शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, उन्होंने कहा कि पश्चिमी देश रूस के खिलाफ बल प्रयोग की धमकियां लगातार दे रहे हैं और मास्को पर नाटो और यूरोपीय संघ के देशों पर हमला करने की योजना बनाने का आरोप लगा रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बार-बार इस तरह के उकसावे को खारिज किया है। लावरोव ने कहा कि रूस का ऐसा कोई इरादा न तो कभी था और न ही है। रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर लावरोव ने कहा, 'जैसा कि राष्ट्रपति ने बार-बार कहा है कि रूस शुरू से ही संघर्ष के मूल कारणों को

खत्म करने के लिए बातचीत के लिए तैयार रहा है और रहेगा।' लावरोव ने कहा कि रूस की सुरक्षा और महत्वपूर्ण हितों की विश्वसनीय गारंटी होनी चाहिए। यूक्रेन के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में रूसियों और रूसी भाषी लोगों के अधिकारों को बहाल किया जाना चाहिए और उनका सम्मान किया जाना चाहिए। इस आधार पर हम यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी पर बात करने के लिए तैयार हैं।रूस-अमेरिका संबंधों पर लावरोव ने कहा कि रूस को दोनों देशों के बीच बातचीत जारी रहने की उम्मीद है, खासकर अगस्त में अमेरिकी राज्य अलास्का में हुई शिखर वार्ता के बाद। लावरोव ने कहा कि रूस अमेरिका की ओर से न केवल यूक्रेन संकट के समाधान के लिए यथार्थवादी तरीके खोजने में योगदान देने की चाह रखता है, बल्कि बिना किसी वैचारिक रुख अपनाए व्यावहारिक सहयोग विकसित करने की इच्छा भी रखता है। उन्होंने कहा कि रूस और अमेरिका विश्व की स्थिति और मानवता को एक नए युद्ध में धकेलने वाले जोखिमों से बचाने के लिए विशेष जिम्मेदारी लेते हैं। लावरोव ने पुतिन द्वारा प्रस्तावित एक नई पहल को भी दोहराया। उन्होंने कहा कि मास्को फरवरी 2026 में नई सामरिक शस्त्र न्यूनीकरण संधि (न्यू स्टार्ट) की समाप्ति के बाद एक वर्ष तक परमाणु हथियारों की सीमा का पालन करने के लिए तैयार है।

गाजा में बंदियों से टूटा संपर्क, हमास ने इजराइल से की हमले रोकने की अपील

एजेंसी

गाजा सिटी। हमास के सशस्त्र धड़े इज्जुद्दीन अल-कस्साम ब्रिगेड ने दावा किया है कि संगठन ने अपने कब्जे में मौजूद दो इजराइली बंदियों से संपर्क खो दिया है। इस परिस्थिति में उसने इजराइल से अपील की है कि गाजा सिटी में हवाई हमले और सैन्य अभियान को 24 घंटे के लिए रोक दिया जाए, ताकि बंदियों को खोजने का प्रयास किया जा सके। ब्रिगेड का कहना है कि पिछले 48 घंटों में गाजा सिटी के दक्षिणी हिस्सों में इजराइली सेना की कार्रवाई के चलते संपर्क टूट गया। संगठन ने चेतावनी दी कि दोनों बंदियों की जान गंभीर खतरे में है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र महासभा में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दोहराया कि उनका देश हमास के खिलाफ 'अंतिम लड़ाई' जारी रखेगा। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अब तक 66,000 से अधिक लोग इस संघर्ष में मारे जा चुके हैं। यह युद्ध 07 अक्तूबर 2023 को हमास के हमले से शुरू हुआ था, जिसमें इजराइल में 1,200 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और 251 को बंधक बना लिया गया था। वर्तमान में 47 बंधक अब भी गाजा में कैद बताए जाते हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री ओली सहित पांच लोगों के काठमांडू छोड़ने पर न्यायिक आयोग ने प्रतिबंध लगाया

एजेंसी

काठमांडू। अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सहित पांच लोगों को बिना अनुमति काठमांडू न छोड़ने का निर्देश दिया गया है।यह निर्देश नेपाल में आंदोलन के दौरान युवा प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने की जांच को लेकर गठित न्यायिक आयोग ने दिया है। साथ ही इनकी गतिविधि के बारे में आयोग में दैनिक रिपोर्टिंग करने को भी कहा गया है।

सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता में गठित इस न्यायिक आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री ओली सहित पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक, तत्कालीन गृह सचिव

गोकर्ण मणि दुवाडी, आंतरिक खुफिया विभाग के प्रमुख हुत राज थापा तथा काठमांडू के तत्कालीन जिलाधिकारी छवि रिजाल को काठमांडू छोड़ कर बाहर नहीं जाने का निर्देश दिया है। न्यायिक आयोग ने नेपाल पुलिस, सशस्त्र प्रहरी बल और राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग को इन पांचों पर निगरानी रखने और आयोग की अनुमति के बिना काठमांडू से बाहर नहीं जाने देने का निर्देश दिया है। इसके अलावा इस आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री ओली, पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक सहित पांच लोगों का पासपोर्ट निलंबित करने का भी निर्देश दिया है। आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा और पूर्व विदेश मंत्री डॉ. आरजू देउवा का भी पासपोर्ट रद्द करने का निर्देश दिया है। बीते 19 सितंबर को राष्ट्रीय अवकाश के दिन देउवा दंपति को नए पासपोर्ट जारी किये गए थे।

ईयू शिखर सम्मेलन के मद्देनजर डेनमार्क में नागरिक ड्रोन उड़ानों पर अस्थायी प्रतिबंध

एजेंसी

कोपेनहेगन। डेनमार्क सरकार ने आगामी यूरोपीय संघ (ईयू) शिखर सम्मेलन के मद्देनजर देशभर में सभी नागरिक ड्रोन उड़ानों पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह निर्णय 01 अक्टूबर से 02 अक्टूबर तक कोपेनहेगन में होने वाले उच्च स्तरीय सम्मेलन के दौरान सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लिया गया है। परिवहन मंत्री थॉमस डेनियलसन ने बयान जारी कर बताया, 'सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सोमवार से तक नागरिक ड्रोन उड़ानों पर प्रतिबंध रहेगा। इससे यह स्पष्ट होगा कि कौन-से ड्रोन वैध हैं और कौन संदिग्ध।'यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब 22 सितम्बर से अब तक डेनमार्क में कई रहस्यमयी ड्रोन गतिविधियों की सूचना मिली है। इनमें कुछ घटनाएं सैन्य ठिकानों के ऊपर ड्रोन देखे जाने से जुड़ी हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में चिंता बढ़ गई है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह प्रतिबंध सैन्य, पुलिस, आपातकालीन सेवाओं और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े ड्रोन पर लागू नहीं होगा। नियम का उल्लंघन करने पर जुर्माना या दो वर्ष तक की सजा का प्रावधान किया गया है। न्याय मंत्री पीटर हम्मेलगार्ड ने कहा, 'इस प्रतिबंध से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान केवल आवश्यक मामलों पर केंद्रित रहेगा और उन्हें अनावश्यक नागरिक ड्रोन की जांच में समय नहीं गंवाना पड़ेगा। डेनमार्क की पुलिस को अब तक 500 से अधिक ड्रोन उड़ानों की सूचना मिल चुकी है, जिनमें से अधिकांश को सुरक्षा के लिहाज से गंभीर नहीं माना गया।

> यह निर्णय 01 अक्टूबर से 02 अक्टूबर तक कोपेनहेगन में होने वाले उच्च स्तरीय सम्मेलन के दौरान सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लिया गया है।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच नॉर्वे और जर्मनी में भी संदिग्ध ड्रोन गतिविधियों की जांच की जा रही है। नाटो ने बाल्टिक क्षेत्र में निगरानी और सुरक्षा उपायों को मजबूत कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, क्षेत्र में खुफिया निगरानी प्रणाली और वायु रक्षा पोतों को तैनात किया गया है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेते फ्रेडरिकसन ने रूस की ओर इशारा करते हुए कहा, यूरोप की सुरक्षा के लिए जो सबसे बड़ा खतरा है, वह रूस है। हालांकि, रूस ने किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है और डेनमार्क के आरोपों को 'निराधार' बताया है।

वीजा सिस्टम में सुधार के लिए दक्षिण कोरिया-अमेरिका की नई पहल, इस हफ्ते लॉन्च हो सकता है वर्किंग ग्रुप

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया और अमेरिका साथ मिलकर कोरियाई कामगारों के लिए वीजा प्रणाली में सुधार के लिए इस हफ्ते एक कार्य समूह का गठन करेंगे। इस बात की जानकारी राजनयिक सूत्रों ने दी। हाल ही में अमेरिका के जॉर्जिया में हुंडई प्लांट पर इमिग्रेशन एनफोर्समेंट ऑपरेशन के तहत छापेमारी की थी। छापेमारी के बाद करीब 475 लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें 300 दक्षिण कोरिया के रहने वाले हैं। जॉर्जिया में हुंडई प्लांट पर सितंबर की शुरुआत में हुई इस छापेमारी के बाद दक्षिण कोरियाई कामगारों को वीजा नियमों के स्पष्ट उल्लंघन के आरोप में एक हफ्ते तक हिरासत में रखा गया। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, राजनयिक बातचीत के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। सूत्रों ने बताया कि सियोल के

विदेश मंत्रालय और अमेरिकी विदेश विभाग इस कार्य समूह का नेतृत्व करेंगे। माना जा रहा है कि अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग और वाणिज्य विभाग भी इस समूह में भाग ले सकते हैं। ऐसे समय में जब कोरियाई कंपनियां अमेरिका में बड़ी विनिर्माण परियोजनाएं चला रही हैं, दोनों देशों के बीच दक्षिण कोरियाई श्रमिकों के लिए अमेरिकी वीजा प्रणाली को बेहतर बनाने पर चर्चा होने की व्यापक संभावना है। बता दें, हिरासत में लिए गए कई लोग बी1 वीजा पर अमेरिका आए थे, जो व्यावसायिक उद्देश्यों, जैसे बैठकों में भाग लेने या अनुबंधों पर हस्ताक्षर करने, या अल्पकालिक प्रवास के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम फॉर ट्रैवल ऑथराइजेशन (ईएसटीए) वीजा छूट कार्यक्रम के तहत जारी किया गया था। दोनों देशों के बीच बी1 वीजा को हल्के तरीके से लागू करने पर चर्चा होने की संभावना है। अगर बी1 वीजा के तहत व्यावसायिक उद्देश्यों का दायरा स्पष्ट हो जाता है, तो अमेरिका मौजूदा वीजा प्रणाली में बदलाव किए बिना दक्षिण कोरियाई व्यापारियों की कठिनाइयों का तुरंत समाधान कर सकता है। सूत्रों के अनुसार, अमेरिका में निवेश करने वाले कोरियाई लोगों के लिए अमेरिका स्थित दक्षिण कोरियाई दूतावास में एक अलग वीजा डेस्क स्थापित करने की संभावना पर विचार किया जा सकता है।

नेपाल अंतरिम सरकार के ऊर्जा मंत्री अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में भारत जाएंगे

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल अंतरिम सरकार के ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्री कुलमन घीसिंग अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में भारत भ्रमण पर जाएंगे। नेपाल सरकार के प्रवक्ता एवं सूचना तथा संचार मंत्री जगदीश खरेल ने बताया कि नई दिल्ली में 27 से 30 नवंबर तक होने वाली अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की आठवीं बैठक में शामिल होंगे। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में ऊर्जा मंत्री घीसिंग के भारत भ्रमण को मंजूरी दी गई है।

गृहमंत्री का निर्देश-नेपाल की हिंसक घटनाओं में शामिल युवाओं की गिरफ्तारी न की जाए

एजेंसी

काठमांडू। अंतरिम सरकार के गृहमंत्री ओमप्रकाश आर्यल ने पुलिस को निर्देश दिया है कि वह 8 और 9 सितंबर के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई तोड़फोड़, आगजनी और लूटपाट की घटनाओं में शामिल युवाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई न की जाए।

पुलिस ने हाल ही में पुलिस चौकियों को आग लगाने, हथियारों को लूटने और सार्वजनिक कार्यालयों पर हमला करने के लिए कई युवाओं को गिरफ्तार किया है। प्रदर्शन के दौरान काठमांडू और देश भर में सैकड़ों सरकारी कार्यालयों में आग लगा दी गई। 3,000 से अधिक पुलिस हथियारों को लूट लिया गया।

सिंहदरबार, सुप्रीम कोर्ट, संसद भवन,राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास सहित राज्य के प्रमुख संस्थानों में कई दिनों तक आग लगी रही।गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी करके विरोध प्रदर्शनों से मानव और भौतिक नुकसान की जांच के लिए पूर्व न्यायमूर्ति गौरी बहादुर कार्की के तहत एक न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा की है। मंत्रालय ने तर्क दिया कि तत्काल कोई पुलिस कार्रवाई नहीं की जाएगी, क्योंकि आयोग के पास घटनाओं का अध्ययन करने और कानूनी कदमों की सिफारिश करने का जनादेश है।

आर्याल ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) चंद्रकुबेर खापुंग को एक लिखित आदेश में हिंसक प्रदर्शनों के दौरान सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से जुड़े मामलों को आगे नहीं बढ़ाने का निर्देश दिया है।

नेपाल के मौजूदा हालातों में पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने सभी पक्षों से एकजुट होने का आह्वान किया

एजेंसी

काठमांडू। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने एक संदेश जारी करके देश की वर्तमान विकट परिस्थिति का सामना करने के लिए सभी पक्षों से एकजुट होने का आह्वान किया है। साथ ही कहा कि उन्होंने इस साल के नवरात्रि में टीका के अवसर पर समारोह नहीं करने का फैसला लिया है।

अपने बयान में पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने कहा कि यह त्योहार केवल परिवार के भीतर और सांस्कृतिक तरीके से मनाया जाएगा, क्योंकि राष्ट्र वर्तमान में अत्यधिक तबाही और शोक की स्थिति में है। उन्होंने कहा है कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष पर्व त्यौहारों का मौसम उल्लास नहीं है, क्योंकि देश ने दर्जनों सपूतों को खो दिया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि नेपाल हमेशा एक स्वतंत्र और स्वाभिमानी राष्ट्र के रूप में खड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्भरता या भू-राजनीतिक चक्र में फंसे बिना अपना रास्ता तय करने की क्षमता के साथ एक एकीकृत नेपाल का पुनर्निर्माण करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य प्रणाली में समय पर सुधार करके और गतिशील प्रबंधन प्रथाओं को अपनाकर आगे बढ़ना आवश्यक है। अपने संदेश में देश के समग्र विकास पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि नेपाल को वैश्विक रुझानों के अनुरूप

राष्ट्रीय समाज की बदलती संरचना को स्वीकार करना चाहिए। उनके संदेश में कहा गया कि युग और समय के अनुसार इस तरह के सभी प्रयास करते समय हमें अपनी पहचान और मूल्यों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी हमारे भविष्य की नींव है। केवल उनमें निहित देशभक्ति की भावना, ऊर्जा और नवीन सोच ही राष्ट्र को शक्ति, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की दिशा में ले जा सकती है।

चीन ने पाकिस्तान को पहुँचायी बाढ़ राहत सामग्री

एजेंसी

बीजिंग। चीन सरकार की ओर से पाकिस्तान के लिये आपातकालीन बाढ़ राहत सामग्री की पहली खेप मध्य चीन के झेंग्झौ से राजधानी इस्लामाबाद पहुंचायी गयी ।चीनी वायु सेना ने यह जानकारी दी है। दो वाई-20 परिवहन विमानों ने टेंट और कंबल सहित सामग्री पाकिस्तान की

राजधानी इस्लामाबाद पहुँचायी है। पाकिस्तान जून से भीषण बाढ़ से जूझ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप भारी जनहानि और संपत्ति का नुकसान हुआ है। इसे देखते हुये चीन ने पाकिस्तान को 20 लाख अमेरिकी डॉलर की आपातकालीन सहायता प्रदान की। बाढ़ के बाद पाकिस्तान के पुनर्निर्माण कार्यों को और अधिक सहारा देने के लिए, चीन सरकार ने अतिरिक्त 10 करोड़ युआन (लगभग 1.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर) मूल्य की आपातकालीन बाढ़ राहत सामग्री प्रदान करने का निर्णय लिया है। शेष सामग्री अब तत्काल आधार पर तैयार की जा रही है और आने वाले दिनों में भेज दी जाएगी।

रूस-यूक्रेन संघर्ष: हमला और तेज, 595 ड्रोन और 48 मिसाइलों से कई ठिकानों पर निशाना साधा; चार की मौत और 10 घायल

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। रूस ने यूकेन पर 595 ड्रोन व 48 मिसाइलें दागीं। इस भीषण हमले में चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग घायल हो गए। सबसे ज्यादा नुकसान राजधानी कीव में हुआ। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इन हमलों पर आक्रोश जताते हुए कहा कि रूस युद्ध जारी रखना चाहता है। पूरी दुनिया को उस पर सख्त दबाव बनाना चाहिए। इन हमलों के कारण पोलैंड को उसकी राजधानी वारसॉ के दक्षिण में वायुक्षेत्र को बंद करना पड़ा।

कीव शहर प्रशासन के प्रमुख ताइमुर तकाचेंको ने सोशल मीडिया के जरिये हताहतों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि शहर भर के नागरिक इलाकों को निशाना बनाकर

हमले किए गए। शहर के केंद्र के पास हुए विस्फोट से घना काला धुआं उठते देखा जा सकता था। कीव की महापौर विटाली क्लिट्स्को के अनुसार, रात को शुरू हुए व भोर तक जारी रहे हमलों में आवासीय इमारतों, नागरिक बुनियादी ढांचे, एक चिकित्सा सुविधा व एक किंडरगार्टन को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि राजधानी में 20 से ज्यादा जगहों पर नुकसान पहुंचा है। यूक्रेनी सेना ने कहा कि रूस की तरफ से 595 ड्रोन व 48 मिसाइलें दागी गईं। इनमें से 568 ड्रोन व 43 मिसाइलों को वायु रक्षा प्रणाली ने मार गिराया। सेना ने कहा कि रूसी हमले का मुख्य निशाना राजधानी कीव था। रूसी सेना ने बताया उसने लंबी दूरी की मिसाइलों व समुद्री हथियारों से यूक्रेन पर हमले किए।

गुलाब की खेती

उपयुक्त जलवायु

ठंढ़ एवं शुष्क जलवायु गुलाब के लिए उपयुक्त होती है। इसलिए उत्तर और दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में गुलाब की खेती सर्दी के दिनों में की जाती है। इसके लिए दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता है। यानि की पौधे को वर्ष के दौरान अच्छी रोशनी मिलनी चाहिए। तापमान 28 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया हो, तो सापेक्ष आर्द्रता बढ़ाई जानी चाहिए। इसके लिए प्रकाश और तापमान के अनुपात को बनाए रखना बहुत जरूरी है।

गुलाब को प्रचुर पानी और हवा के आवागमन वाली मिट्टी की आवश्यकता होती है। अत्यधिक तापमान से चूर्णिल आसीत होने की संभावना होती है। अगर तापमान कम और अत्यधिक नमी होने की उम्मीद हो तो मृदुल आसिता आ सकता है। इसकी खेती में जलवायु का बहुत महत्व होता है।

भूमि का चयन

गुलाब की खेती लगभग सभी प्रकार के मिट्टियों में की जा सकती है। परन्तु दोमट, बलुआर दोमट या मटियार दोमट मिट्टी जिसमें ह्यूमस प्रचुर मात्रा हो, में उत्तम होती है। जिसका पी एच मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है। साथ ही पौधों के उचित विकास हेतु छायादार या जल जमाव वाली भूमि नहीं हो, ऐसी जगह जहाँ पर पूरे दिन धूप हो अतिआवश्यक है। छायादार जगह में उगाने से पौधों का एक तो विकास ठीक नहीं होगा, दूसरे पाउड्री मिल्ड्यु, रस्ट आदि बीमारी का प्रकोप बढ़ जाता है।

गुलाब प्रकृति-प्रदत्त एक अनमोल फूल है । जिसकी आकर्षक बनावट, सुन्दर आकार, लुभावना रंग एवं अधिक समय तक फूल का सही दिशा में बने रहने के कारण इसे अधिक पसंद किया जाता है। यदि गुलाब की खेती वैज्ञानिक विधि से किया जाए तो इसकी फसल से लगभग पूरे वर्ष फूल प्राप्त किये जा सकते हैं। सर्दी के मौसम में गुलाब के फूल की छटा तो देखते ही बनती है। इसके एक फूल में 5 पंखुड़ी से लेकर कई पंखुड़ियों तक की किस्में विभिन्न रंगों में उपलब्ध है।

पौधे छोटे से लेकर बड़े आकार के झाड़ीनुमा होते हैं। इसके फूलों का उपयोग पुष्प के रूप में, फूलदान सजाने, कमरे की भीतरी सज्जा, गुलदस्ता, गजरा, बटन होल बनाने के साथ-साथ गुलाब जल, इत्र एवं गुलकन्द आदि बनाने के लिए किया जाता हैं। इस लेख में गुलाब की वैज्ञानिक खेती कैसे करें की पूरी जानकारी का उल्लेख किया गया है।

⏩ उन्नत किस्में

गुलाब की किस्मों को विभिन्न वर्गों में विभाजित किया गया है। जो इस प्रकार है, जैसे-

हाइब्रिड टी- यह वर्ग हाइब्रिड परपेचुअल और 'टी' गुलाब के संकरण से विकसित की गई है। इस वर्ग में एक पुष्प डण्डी पर एक बड़ा फूल खिलता है। पुष्प डण्डी की लम्बाई अन्य वर्ग के पुष्प डण्डी से लम्बी होती है, जैसे- सुपर स्टार, पूसा गौरव, अर्जुन, रक्तगंधा, क्रिमसन ग्लोरी, रक्तिमा, फस्ट रेड आदि किस्में प्रमुख है।

फ्लोरीबंडा- इस वर्ग के किस्मों से उत्पादित पुष्प डण्डी की लम्बाई कम होती है और पुष्प का आकार हाइब्रिड टी वर्ग से छोटा होता है। जैसे- भरत राम, लहर, जंतर-मंतर, बंजारन, सदाबहार, अरूनिमा, संगरिया आदि किस्में प्रमुख हैं।

पोलीएंथा एवं मिनिएचर- इस वर्ग की किस्मों के पौधों एवं पत्तियों का आकार छोटा होता है और यह छोटे फूल उत्पादित करते हैं। इस वर्ग के एक पौधे से काफी फूल उत्पादित होते है। जैसे- बेबी, पिक्सी, क्रीक्री, बेबीगोल्ड स्टोर आदि प्रमुख किस्में हैं।

लता वर्ग- इस वर्ग की किस्में लता बनाती हैं। इसमें एक जगह से कई फूल निकलते हैं। जैसे- रोजा बैंकसिया, रोजा ल्यूटिया, व्हाइट रैम्बलर, क्रिमसन आदि प्रमुख हैं।

सुगन्धित वर्ग- इस वर्ग के गुलाब के फूल से सुगंध आती है। ऐसे फूलों से तेल, कंक्रीट, गुलाब जल इत्यादि बनाया जाता है। जैसे- रोजा बरबौनियाना, रोजा डैमेसीना, देशी गुलाब आदि प्रमुख किस्में हैं।

व्यावसायिक किस्म- व्यावसायिक स्तर पर गुलाब का कट फ्लावर उत्पादन के लिए हाइब्रिड टी वर्ग में फस्ट रेड, ग्रान्डगला, कन्फीटी, कैपरी, स्टार लाइट, मीलोडी, डीपलोमैट इत्यादि प्रकिस्मों का चयन करना चाहिए। फ्लोरीबन्डा वर्ग का कट फ्लावर उत्पादन के लिए संगरिया, लामबाडा, मोल्डी, गोल्डेन टाइम्स, क्रीम प्रोफाइट, जैक फ्रास्ट इत्यादि किस्मों का चयन करना चाहिए।

⏩ गुलाब का प्रवर्धन

गुलाब की नयी किस्में बीज द्वारा विकसित की जाती है । जबकि पुरानी किस्मों का प्रसारण कटिंग, बडिंग, गुटी एवं ग्रेफ्टिंग विधि द्वारा किया जाता है। परन्तु व्यवसायिक विधि टी' बडिंग ही है। टी बडिंग द्वारा प्रसारण करने के लिए बीजू पौधे को पहले तैयार करना पड़ता है। इसके लिए जुलाई से अगस्त माह में कटिंग लगाना चाहिए, जो कि दिसम्बर से जनवरी तक बडिंग करने योग्य तैयार हो जाते है।

⏩ रोपण का समय

हमारे देश में गुलाब फसल का पौध रोपण बहुत जगह पर पूरे वर्ष किया जा सकता है। लेकिन पौध रोपण करते समय दिन का तापमान 25 से 2। डिग्री सेंटीग्रेड तथा रात का तापमान 12 से 19 डिग्री सेंटीग्रेड अच्छा पाया गया है। मैदानी क्षेत्र में गुलाब के रोपण का समय अक्तूबर से नवम्बर तथा फरवरी से मार्च ठीक पाया गया है। पहाड़ी क्षेत्र में गुलाब के रोपण का समय सितम्बर से अक्तूबर तथा मार्च अच्छा पाया गया है।

जब हम पौध रोपण की सघनता की बात करते हैं, तो पॉलीहाउस में गुलाब को पंक्ति से पंक्ति 50 सेंटीमीटर तथा पौध से पौध 20 से 25 सेंटीमीटर के फासले पर लगाते हैं। घना पौध रोपण करने से पुष्प डण्डी की उपज बढ़ जाती है, जो आर्थिक रूप से लाभकारी हैं। गुलाब का पौध रोपण के एक दिन पहले क्यारियों को हल्का नम कर देते हैं। क्यारी के दोनों लम्बाई में बाहरी हिस्सों का 25 सेंटीमीटर चौड़ी मिट्टी को फावड़ा से 25 से 30 सेंटीमीटर गहरी खुदाई करके मिट्टी को रास्ते पर रख देते हैं।

जब क्यारी के दोनों तरफ कुंड जैसा लगने लगे उसके उपरान्त 20 या 25 सेंटीमीटर के फासले पर दोनों पंक्तियों में पौध रोपण कर देते हैं। पौधे लगाने के साथ-साथ पौधों को मिट्टी से दबाते जाते हैं। जब एक क्यारी का पूर्ण रोपण हो जाए तथा रास्ते पर पड़ी मिट्टी क्यारी के साथ लग जाए उसके उपरान्त तुरन्त पाइप से क्यारी में अच्छी तरह पानी भर देते हैं।

पानी देने के उपरान्त क्यारियों में जहाँ भी मिट्टी दबी लगे वहाँ अच्छी तरह मिट्टी डालकर दबा देते हैं और फिर वहाँ पर सिंचाई कर देते हैं। ऐसा करने से गुलाब के पौधों की मृत्यु कम होती है। पॉलीहाउस में गर्मी के मौसम में पौध रोपण करते समय अन्दर से 40 से 50 प्रतिशत का ग्रीन शेड नेट का इस्तेमाल करना चाहिए। गुलाब में पौध रोपण के 10 से 12 दिन के बाद नई वृद्धि शुरु हो जाती है।

गुलाब के नये पौधों को रोपने के पहले प्रत्येक गड्ढे में आधा भाग मिट्टी में आधा भाग सड़ा हुआ कम्पोस्ट या गोबर की खाद मिलाकर गड्ढे को भरना चाहिए तथा पुराने पौधे की कटाई-बँटाई एवं विंटरिंग जो कि अक्टूबर से नवम्बर में करते हैं, के बाद खाद एवं उर्वरक का उपयोग करें। विंटरिंग के बाद गड्ढे में आधा भाग मिट्टी व आधा भाग सड़ा हुआ कम्पोस्ट या गोबर की खाद मिलाकर भर दें और क्यारियाँ बनाकर सिंचाई करें।

इस क्रिया के लगभग 15 से 20 दिन बाद 90 ग्राम उर्वरक मिश्रण प्रति वर्ग मीटर की दर से जिसमें 2 भाग अमोनियम सल्फेट, 8 भाग सिंगल सुपर फास्फेट एवं 3 भाग म्युरेट ऑफ पोटाश की मात्रा हो, को मिलाकर देना चाहिए। अमोनियम सल्फेट एवं पोटैशियम सल्फेट को पुन: पहला पुष्पन समाप्त होने के बाद प्रयोग करना उपयुक्त रहता है।

चमकदार फूल प्राप्त करने के लिए सात भाग मैग्नीशियम सल्फेट + सात भाग फेरस सल्फेट + तीन भाग बोरेक्स का मिश्रण तैयार कर 15 ग्राम, 10 लीटर पानी में घोलकर एक-एक माह के अन्तराल पर छिड़काव करना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर खेती करने के लिए 5 से 6 किलोग्राम सड़ा हुआ कम्पोस्ट, 10 ग्राम नाइट्रोजन, 10 ग्राम फास्फोरस एवं 15 ग्राम पोटाश प्रति वर्ग मीटर देना चाहिए।

आधी मात्रा छंटाई के बाद तथा शेष 45 दिन बाद दें। भूमि की उर्वराशक्ति एवं पौधे के विकास को ध्यान में रखते हुए 50 से 100 ग्राम गुलाब मिश्रण जो कि बाजार में उपलब्ध है, छटाई के एक सप्ताह बाद दिया जा सकता है। यह देखा गया है कि अधिक मात्रा में रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करने से मिट्टी का पी एच तथा ई सी मान बढ़ जाता है। इसको कम करने के लिए सिंचाई के पानी के साथ अम्ल का प्रयोग करना चाहिए।

साधारणतौर पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश प्रत्येक को 200 पी पी एम का घोल गुलाब के पौधों के लिए ज्यादा लाभदायक पाया गया है। सूक्ष्म पोषक तत्वों को 15 दिन के अंतराल पर पौधों पर छिड़काव भी करना चाहिए। मिट्टी का पीएच मान बढ़ने पर गुलाब के क्यारियों में वर्मीकम्पोस्ट का प्रयोग किया जा सकता है। इससे मिट्टी का पीएच मान घटता है।

सिंचाई प्रबंधन

पौध रोपण एवं पहली सिंचाई के उपरान्त गुलाब के पौधों की फुहार विधि से सिंचाई करनी चाहिए। फुहार विधि से सिंचाई के लिए 1 घण्टा में 4 से 5 मिनट के लिए स्प्रंकलर चलाना चाहिए। इस प्रकार दिन में 5 से 6 बार स्प्रंकलर चलाना चाहिए। ऐसा करने से पौधों की शाखा नहीं सुखती है तथा पौधों से नया फुटाव जल्दी होता है। जब गुलाब के पौधे पॉलीहाउस में पूर्ण रूप से विकसित हो जाए उसके बाद टपक विधि से उर्वरक के साथ सिंचाई करनी चाहिए।

गुलाब के पौधों को टपक विधि से सिंचाई दिन में 3 से 4 बार करने की जरूरत पड़ती है। बरसात एवं जाड़ा के मौसम में कम सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। पानी की मात्रा पौधों के वृद्धि एवं विकास तथा सूर्य की रोशनी की तीव्रता पर निर्भर करती है। गर्मी के मौसम में पूर्ण रुप से विकसित एक गुलाब के पौधे को लगभग 1 लीटर पानी की प्रतिदिन आवश्यकता होती है।

जब पौधे स्वस्थ हों तथा धूप तेज हो रही हो उस समय गुलाब के पौधों को अधिक मात्रा में पानी की आवश्यकता पड़ती है। गुलाब के पौधों की सिंचाई सुबह 9 बजे से सायं 3 बजे के बीच में कर देनी चाहिए। रात के समय सिंचाई नहीं करनी चाहिए।

⏩ कटाई-छंटाई एवं बेंडिंग

गुलाब की खेती करने के लिए इसके पौधों की कटाई-छंटाई बहुत ही महत्वपूर्ण है। इसके पौधों से रोपण के पश्चात् जो नई शाखाएं निकलती हैं। इन सभी शाखाओं को नीचे से 8 से 10 सेंटीमीटर छोड़कर नीचे के तरफ बेंड (झुकना) कर देते हैं। ऐसा करने से प्रत्येक पौधों से अनेक नई शाखाएं निकलती हैं और पौधों पर अधिक शाखाएं होने पर पुष्प उत्पादन की उपज बढ़ जाती है।

जब पौधों पर अधिक शाखाएं इस प्रकार विकसित हो जाती है, उसके उपरान्त प्रत्येक पौधा से 3 से 4 स्वस्थ्य शाखा को लगभग बेंडिंग प्वाइंट से 10 से 12 सेंटीमीटर छोड़कर काट देते हैं। इस प्रकार नये पौधों में कटाई-छंटाई की जाती है। गुलाब में कटाई-छंटाई का समय मैदानी क्षेत्र में सितम्बर से अक्तूबर तथा पहाड़ी क्षेत्र में मार्च के महीना में की जाती है।

कटाई-छंटाई के दौरान सुखी शाखाओं को काट देना चाहिए। गुलाब की पतली शाखाओं को पुष्प उत्पादन के लिए ट्रेन नहीं करना चाहिए। इसके पौधों को काटने-छाटने के तुरन्त बाद फफूंदनाशक कैप्टान 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए।

पॉलीहाउस में गुलाब की खेती में खरपतवार की बहुत ही कम समस्या होती है। महीने में एक बार क्यारियों की ऊपरी सतह की मिट्टी की हल्की गुडाई करनी चाहिए। मिट्टी की गुडाई करने से मिट्टी भुरभुरी बनी रहती है और मिट्टी की पानी भण्डारण की क्षमता भी बढ़ जाती है। गुड़ाई करते समय यह सावधानी रखनी चाहिए कि गुलाब की पतली जड़े न टूटें इसलिए हल्की गुड़ाई करनी चाहिए।

गुलाब में डिस्बडिंग उन सभी पुष्प डण्डियों में किया जाता है, जो व्यावसायिक स्तर का पुष्प उत्पादन नहीं कर सकती हैं। जब पुष्प कली मटर के दाना के आकार का हो उसी समय डिस्बडिंग कर देते हैं। इस प्रकार की डण्डियों को तुरन्त बेंडिंग या कुछ अवधि बाद छंटाई कर दी जाती है। गुलाब का कर्तित पुष्प उत्पादन में हाइब्रिड 'टी' एवं फ्लोरीबंडा वर्ग के किस्मों में एक पुष्प डण्डी पर केवल एक पुष्प ही खिलने या बढ़ने दिया जाता है।

अन्य जो भी मुख्य कली के अलावा शूट आते हैं उनको 1.5 से 2 सेंटीमीटर लम्बा होने पर ही तोड़ दिया जाता है। इस कार्य को डिशूटिंग कहते हैं। गुलाब के जो पौधे चश्मा या ग्राफटिंग प्रवर्धन विधि द्वारा तैयार किए गये होते हैं। उनमें मूलवृन्त से जो भी नये शूट जमीन के अन्दर से आते हैं, उनको काट दिया जाता है इसे डिसकरिंग कहते हैं। ऐसा करने से गुलाब के पौधे की बढ़वार एवं विकास अच्छा होता है।

⏩ पुष्प डण्डियों को सहारा

इसके कर्तित पुष्प डण्डियों की अधिक लम्बाई होने के कारण डण्डियों को सीधा रखने के लिए क्यारियों के दोनों तरफ लगभग 3.5 मीटर के अन्तराल पर 5 से 5.5 फीट लम्बा लोहे की पाइप लगा देते हैं। इन पाइपों में 2 से 3 सतह प्लास्टिक की रस्सी को क्यारियों के दोनों तरफ बांध देते हैं। ऐसा करने से जब पुष्प डण्डियों पर कली बढ़ जाती है। उस समय उन सभी डण्डियों को झुकने से बचाया का सकता है।

गुलाब के पौधों में लगने वाले कीटों में दीमक, रेड स्केल, जैसिड, लाही (माहो) थिप्स आदि मुख्य हैं। इसकी रोकथाम समय पर करनी आवश्यक होती है। दीमक के लिए थीमेट (10 प्रतिशत) दानेदार दवा 10 ग्राम या क्लोरपाइरीफॉस (20 प्रतिशत) 2.5 से 5 मिलीलीटर प्रति 10 वर्ग मीटर की दर से मिट्टी में मिलायें। रेड स्केल एवं जैसिड कीट की रोकथाम के लिए सेविन 0.3 प्रतिशत या मालाथियान 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करें।

⏩ रोग एवं रोकथाम

गुलाब की मुख्य बीमारी डाइबैक है। यह प्राय: छंटाई के बाद कटे भाग पर लगती है। जिससे पौधो धीरे-धीरे ऊपर से नीचे की तरफ सुखते हुए जड़ तक सुख जाता है। तीव्र आक्रमण होने पर पूरा पौधा ही सुख जाता है। इसकी रोकथाम के लिए छंटाई के तुरन्त बाद कटे भाग पर चौबटिया पेस्ट (4 भाग कॉपर कार्बोनेट + 4 भाग रेड लेड + 5 भाग तीसी का तेल) लगायें एवं 0.1 प्रतिशत मालाथियान का छिड़काव करें। इसके साथ ही खेत की सफाई अर्थात् निकाई-गुड़ाई तथा खाद और उर्वरक उचित मात्रा में प्रयोग करें एवं पौधों को जल जमाव से बचायें, इससे बीमारी की रोकथाम में मदद मिलती है।

इस बीमारी के अलावा ब्लैक स्पाट एवं पाउड्री मिल्ड्यू' जैसी बीमारियों का प्रकोप भी गुलाब के पौधे पर होता है। इसकी रोकथाम हेतु केराथेन 0.15 प्रतिशत या सल्फेक्स 0.25 प्रतिशत का छिड़काव करना उपयुक्त होता है।

गुलाब के कर्तित पुष्प डण्डी को कली अवस्था जब एक या दो पुष्प की पंखुडी खुलनी शुरू हो जाए उस समय काटना चाहिए।

इसके पुष्प डण्डी को कलीका अवस्था में काटते समय यह ध्यान रखना चाहिए, कि कली बहुत कड़ी न हो अन्यथा ऐसे स्थिति में काटने के बाद गुलाब की कली नहीं खिल पाती है।

गुलाब के पुष्प को तेजधार वाले स्केटियर से काटना चाहिए। तत्पश्चात् फूलों के कटे निचले भाग को साफ पानी में 5 से 6 सेंटीमीटर डुबोकर रखना चाहिए ताकि फूल ताजा बना रहे।

इसका कट फ्लावर काटने के बाद बाल्टी में रखने के पश्चात् शीतगृह में 4 डिग्री सेंटीग्रेड में 5 से 6 घण्टे के लिए भण्डारण करने पर पुष्प अधिक दिनों तक तरोताजा बने रहते हैं।

सब्जी उत्पादन, आधुनिक बागवानी में पॉलीहाउस का महत्वपूर्ण योगदान

सब्जी उत्पादन और आधुनिक बागवानी में पॉलीहाउस का महत्वपूर्ण योगदान है। यदि किसान कुछ विशेष सावधानियों को ध्यान में रखें तो इसमें बेमौसमी सब्जियों की खेती एक वरदान के रूप में सिद्ध हो सकती है। पॉलीहाउस में आमतौर पर सभी सब्जियों को उगाया जा सकता है, किन्तु सब्जियों का चयन पौधों की ऊंचाई, मौसम, सब्जी तैयार होने का समय, उत्पादन लागत एवं बाजार भाव को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

इसके लिए ज्यादातर उन सब्जियों को चुनें जो कम जगह घेरती हों और उनका बाजार भाव ज्यादा मिलता हो। पॉलीहाउस में उगाने के लिये निम्न सब्जियां उपयुक्त रहती हैं, जैसे- शिमला मिर्च, टमाटर, खीरा, खरबूजा, लौकी, गोभी, बैंगन, फ्रेंचबीन, करेला, चप्पनकद्दू और तरबूज आदि प्रमुख है।

पॉलीहाउस बनाने की विधि

ढांचे की बनावट के आधार पर पॉलीहाउस कई प्रकार के होते हैं। पॉलीहाउस बनाने के लिये बांस की खपच्ची, बांस, जी आई पाइप, आयरन एंगल, सुतली आदि का प्रयोग ढांचा बनाने के लिये किया जाता है और इसे 150 से 200 माइक्रोन मोटी पॉलीथीन से ढंका जाता है। पॉलीथीन शीट का पराबैंगनी होना जरूरी होता है। सूर्य का प्रकाश पारदर्शी पॉलीथीन से पॉलीहाउस के अन्दर पहुंचता है, किन्तु विकिरण से पुन: वायुमण्डल में प्रवेश न कर पाने के कारण वह पॉलीहाउस का तापमान बढ़ाने में सहायक होता है। किसानों के लिये कम लागत के पॉलीहाउस उपयुक्त होते हैं और विभिन्न राज्यों की सरकारों द्वारा इन पर बागवानी मिशन के तहत 50 तक प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।

कम लागत के पॉलीहाउस- इस प्रकार के ग्रीन हाउस का ढांचा बांस की खपच्चियों तथा सुतली की सहायता से बनाया जाता है। इस प्रकार के पॉलीहाउस में कोई भी यंत्र वातावरण का नियंत्रण करने के लिये नहीं लगाया जाता एवं ऐसे पॉलीहाउस मैदानी क्षेत्रों के लिये सर्दी की ऋतु में प्रयोग किये जा सकते हैं।

मध्यम लागत के पॉलीहाउस- इस प्रकार के ग्रीन हाउस का ढांचा प्राय: लोहे के पाइप या जी आई पाइप द्वारा बनाया जाता है। इसमें कूलर, छाया देने वाले जाल, पानी के फव्वारे तथा गर्म हवा फेंकने वाले ब्लोअर का इस्तेमाल होता है। इस में वातावरण को अर्धनियंत्रित किया जा सकता है।

अधिक लागत के आधुनिक पॉलीहाउस- ये ग्रीन हाउस मध्यम लागत वाले पॉलीहाउस से काफी बड़े आकार के होते हैं। इसमें वातावरण का नियंत्रण आधुनिक यंत्रों द्वारा किया जाता है, जिसको कम्पयूटर प्रणाली द्वारा संचालित किया जाता है और सिंचाई ड्रिप प्रणाली द्वारा की जाती है।

पॉलीहाउस तकनीक के उपयोग

1. विपरीत मौसम यानी बेमौसमी सब्जियों की नर्सरी तैयार की जा सकती है तथा कम समय में नर्सरी तैयार होती है।

2. ये संरचनाएं सब्जियों को ठण्ड, पाला, गर्मी और हवा से बचाती हैं।

3. सब्जियों की अगेती पौध तैयार करने में सहायक जिससे अगेती फसल लेकर ज्यादा भाव में बाजार में बेचा जा सकता है।

4. अधिक मूल्य वाली सब्जियों का उत्पादन करना संभव।

5. बेमौसमी सब्जी उत्पादन-खीरा, शिमला मिर्च, टमाटर का वर्ष भर उत्पादन किया जा सकता है।

6. सब्जियों के उत्पादन और उत्पादकता में बढोतरी संभव।

I. सब्जियों की गुणवत्ता बढ़ती है।

8. कीड़ों और बीमारियों की रोकथाम आसानी से की जा सकती है।

9. सब्जियों की मोनोक्रापिंग को बढ़ाना यानी साल में कई बार फसल उगा सकते है, जिससे क्रापिंग इन्टेंसिटी बढ़ती है।

पॉलीहाउस में सब्जी उत्पादन के लिए सब्जियों की उन्नत किस्में

टमाटर- पंत टी- 3, डी टी एच- I, अविनाश- 2, डी ए आर एल- 304, एच वाई बी- 99, के-126, एन पी- 5002 और नवीन प्रमुख है।

शिमला मिर्च- केलिफोर्निया वंडर, अलंकार, भारत इन्दिरा, गोल्डन समर, हीरा, बाम्बी, ओरोबेली, तनवी और जैमिनी आदि प्रमुख है।

खीरा- जापानीज लौंग, ग्रीन, पूसा संयोग, प्वाइनसेट, रानी, फूले पराची और कसन आदि प्रमुख है।

खरबूजा- पंजाब संकर- 1और दिल्ली आदि।

फ्रेंचबीन- पंत अनुपमा और पंतबीन-2, पूसा पार्वती कंटेण्डर आदि प्रमुख है।

करेला- पूसा दौ मौसमी और पूसा विशेष आदि प्रमुख है।

बैंगन- पूसा हाईब्रिड- 5,6 और 9, पंत संकर, हिसार और श्यामल आदि प्रमुख है।

ग्रीन हाउस या पॉलीहाउस में सब्जियों की नर्सरी का विकास तेजी से होता है। इसमें सब्जियों की विपरीत मौसम में नर्सरी तैयार करके किसान अधिक लाभ ले सकते हैं। इसमें कम लागत वाले पॉलीहाउस में सब्जियों की नर्सरी जैसे- शिमला मिर्च, टमाटर, बैंगन और बेलवाली सब्जियां जैसे- खीरा, लौकी, करेला, तोरई, चप्पन कद्दू एवं ककड़ी इत्यादि, की बेमौसमी अर्थात सर्दी में नर्सरी पौध तैयार करके एक दो महीने अगेती फसल ली जा सकती है, जिसके बाजार में बहुत अच्छे दाम मिलते हैं। इसके लिये बांस की खपच्ची, पोलीथीन शीट, सुतली से एक झोपड़ीनुमा ग्रीन हाउस बनाया जा सकता है और इसमें सब्जियों की पौध दिसम्बर से जनवरी में तैयार की जा सकती है।

इन बातों का रखें ध्यान

1. केवल उन्नत और संकर किस्में ही उगाएँ।

2. सही सब्जी की फसल और सही किस्म का चयन।

3. सब्जी की बिजाई से पहले पॉलीहाउस में गोबर की खाद डालकर अच्छी तरह मिला दें तथा जमीन को पांच प्रतिशत फोरमेलिन से उपचारित करें।

4. शिमला मिर्च, टमाटर, खीरा आदि ज्यादा लाभदायक फसलें होती हैं।

पौध को प्रोपेगेशन ट्रे में तैयार करें

सब्जियों की पौध के लिये प्रोपेगेशन ट्रे जिसे प्रो ट्रे भी कहते हैं, का इस्तेमाल करें जो आमतौर पर 98 छेदों वाली होती है, इसमें कोकोपीट + परलेट + वर्मीकुलेट का 4ः1ः1 का मिश्रण लेकर ट्रे तैयार कर लें तथा बीज की बिजाई कर दें।

1. प्रत्येक बीज का बिना क्षति के अंकुरण।

2. जड़ों का पूरा विकास एवं निकालने एवं रोपाई में सुविधाजनक।

3. पौधों का विकास एक समान और स्वस्थ पौधों का तैयार होना

4. कम समय में पौध का तैयार होना।

5. पौध की बीमारियां कम।

6. कीट नियंत्रण सरलता से किया जा सकता है।

I. रोपाई उपरान्त कम मृत्युदर और पौधों का विकास जल्दी होना।